देहरादून, सोमवार
13 अप्रैल 2026
वर्षः 16
अंकः 315 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दुश्मनों के लिए काल बनेगी ध्रुवास्त्र मिसाइल

● एपीजे अब्दुल कलाम ने की थी कल्पना, अब सेना में होगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित ध्रुवास्त्र मिसाइल भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह हेलीकॉप्टर से दागी जाने वाली नाग एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का आधुनिक संस्करण है, जिसे पहले हेलिना के नाम से जाना जाता था। यह मिसाइल न केवल भारत की आत्मनिर्भर भारत

मुहिम को मजबूती प्रदान करेगी, बल्कि युद्ध के मैदान में खासकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भारतीय वायुसेना और थल सेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी।

थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली शामिल- ध्रुवास्त्र भारत के इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का हिस्सा है। इसकी परिकल्पना 1980 के दशक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में की गई थी। नाग मिसाइल परिवार के तहत अब तक जमीन से दागी जाने वाली नाग, कैरियर और मैन-पोर्टेबल जैसे कई संस्करण तैयार किए जा चुके हैं। ध्रुवास्त्र इसी कड़ी का हवाई संस्करण है। ध्रुवास्त्र की सबसे बड़ी ताकत इसकी थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली है। एक बार लक्ष्य पर लॉक होने के बाद, मिसाइल ऑटोमैटिक रूप से उसे ट्रैक कर नष्ट कर देती है। यह मिसाइल खराब मौसम और रात के अंधेरे में भी दुश्मन के टैंकों की गर्मी को पहचान कर उन्हें सटीक निशाना बना सकती है।

यूपी का बुलडोजर बंगाल में गुंडों का इलाज करेगा

● योगी बोले-दंगाइयों का इलाज सिर्फ भाजपा के पास है

कोलकाता (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा- टीएमसी के लोग चाहते हैं कि आधी आबादी उर्दू बोले। उनसे कहिए कि जहां उर्दू बोली जाती है, वहां चले जाएं। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। बंगाल में गुंडों का इलाज यूपी का बुल्डोजर करेगा। बुलडोजर केवल सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं का भी इलाज करता है। बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों की पसलियों को मसल डालता है। सीएम ने

टीएमसी नेताओं को मुस्लिम वोटबैंक की सौदागर करार दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब सड़कों पर नमाजें नहीं पढ़ी जाती हैं। मस्जिदों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। लव जिहाद के लिए सख्त कानून है। गो-हत्या नहीं हो सकती है। हर बेटी, हर व्यापारी सुरक्षित है। हर हाथ को काम है, हर खेत में पानी है। यूपी के विकास को कांग्रेस और सपा भी नहीं रोक पाई है। योगी ने कहा- जो गुंडागर्दी आज बंगाल में है, वही 9 साल पहले यूपी में थी। हर पर्व और त्योहार पर दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगता था। व्यवसाय ठप पड़े रहते थे। सरकार के समानांतर (पैरलल) गुंडे-माफिया शासन करते थे। 2017 में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई।

नहीं रहीं 'सुरों की मल्लिका' आशा ताई

92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, संगीत जगत के लिए बड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। संगीत जगत को एक बड़ा झटका लगा है। सैकड़ों फिल्मों के गीतों को स्वरों से सजाने वाली और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी खास मुकाम हासिल करने वालीं 92 साल की गायिका आशा भोसले ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। कार्डिएक अरेस्ट और फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से शनिवार को ही उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। रविवार सुबह से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। आशा भोसले के निधन के बाद बॉलिवुड इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। आशा भोसले को दादासाहेब फाल्के और देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया था, मेरी दादी आशा भोसले ज्यादा कमजोर होने की वजह से सीने के इन्फेक्शन से जूझ रही हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया था कि उनकी हालत गंभीर है।

आज होगा अंतिम संस्कार

जानकारी के मुताबिक सोमवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल में उनके घर पर ही अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद शाम को 4 बजे दादर के शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार होगा। यहीं पर लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

रिकॉर्ड किए 12 हजार से ज्यादा गाने

भोसले, दिग्गज गायिका दिवंगत लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं और पद्मिनी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी है। भोसले के कुछ लोकप्रिय गानों में चुरा लिया है तुमने जो दिल को, अभी ना जाओ छोड़कर, इंतहा हो गई इंतजार की आदि शामिल हैं। उन्होंने 2023 में अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दुबई में आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम आशा 90 लाइव इन कॉन्सर्ट में प्रस्तुति दी थी। आशा भोसले ऐसी पहली भारतीय सिंगर थीं जो कि ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थीं। उन्होंने 20 से ज्यादा भाषाओं में गीतों को अपनी आवाज दी।

महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की पूरी तैयारी

बीजेपी ने सांसदों को जारी किया 3 लाइन की व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। इनमें से

273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी गुरुवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है।

परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग बिल लाएगी सरकार

राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने सभी दलों को चिट्ठी लिखी

पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की जाए।

आशा भोसले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

कहा-मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा, शाह ने भी जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने आशा भोसले के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की और कहा उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा की असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की सबसे आइकॉनिक और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बहुत दुखी हूं। दशकों तक चली उनकी असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं, उनकी आवाज हमेशा बेमिसाल रही।

उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे

आशा भोसले को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके साथ हुई मेरी मुलाकातों की यादें मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।

शाह बोले- हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं।

भागवत उवाच, हिंदू समाज में एकता की है कमी

संघ प्रमुख ने कहा-ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

निजामाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि

● हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी

एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं। हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था। जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है

● मोदी बोले-टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं

कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का रविवार को पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन था। वे सिलीगुड़ी में जनसभा कर रहे थे। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फंसे हैं 20,000 भारतीय नाविक

ईरान युद्ध के बीच भारत ने लॉन्च किया स्पेशल ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में बातचीत फेल होते ही भारत अलर्ट मोड में आ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे 18 जहाजों को निकालने के लिए भारत ने ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इन जहाजों पर लदा माल भारत आना है। भारत के इस ऑपरेशन का उद्देश्य एनर्जी सिक्योरिटी को बहाल करना और भारत के बंदरगाहों पर जमा माल साफ करना है। जंग फिर से शुरू होने की अटकलों के बीच भारत सरकार ने यह ऑपरेशन इसलिए लॉन्च किया।

एलपीजी जहाज ने पार किया होर्मुज

बंदरगाहों को इन जहाज़ों को बर्थिंग में प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एलपीजी जहाज ग्रीन आशा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है और मुंबई स्थित पोर्ट की ओर बढ़ रहा है। भारत के अभियान से बंदरगाहों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, जहां करीब 106,890 केजी के कंटेनर और बड़ी मात्रा में खराब होने वाला माल फंसा हुआ है।

असम के बाद अब बंगाल का रुख करेंगे हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी)। असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही बंगाल का रुख करने जा रहे हैं। वहां वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनावी अभियान को धार देंगे। उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि झामुमो के वरिष्ठ नेता पहले ही बंगाल पहुंचकर समन्वय की रूपरेखा तैयार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तृणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था।

ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बन पाई बात

इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के

● अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया

बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर

है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। ईरान परमाणु हथियार बनाने वाला है।

ईरान बोला-अमेरिका हमारा भरोसा जीतने में नाकाम रहा

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया।

सीएम धामी की अगुवाई में 18वीं बार पीएम मोदी का स्वागत करेगा उत्तराखंड

– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28वीं बार, मंगलवार को आएंगे उत्तराखंड दौरे पर

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंगलवार को अपने 28 वें दौरे पर उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साढ़े चार साल के कार्यकाल में यह उनका 18वां दौरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दौरान दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे के साथ ही, टिहरी में 1 हजार मेगावाट क्षमता वाले देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर उत्तराखंड वासियों में भारी उत्साह है। प्रदेश सरकार लोकार्पण समारोह को यादगार बनाने की तैयारियों में जुटी है। मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद, नरेंद्र मोदी 11 सितंबर 2015 को उत्तराखंड के पहले दौरे पर ऋषिकेश पहुंचे थे।

तब उन्होंने दयानंद सरस्वती आश्रम पहुंचकर अपने गुरुं दयानंद गिरी से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। भगवान केदारनाथ सहित उत्तराखंड के प्रमुख धामों के प्रति भी पीएम मोदी की गहरी आस्था है। प्रधानमंत्री बनने के बाद वह पांच बार केदारनाथ की यात्रा पर आ चुके हैं, साथ ही बद्रीनाथ ओर मुखबा का भी दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के तीर्थाटन– पर्यटन के ब्रांड अम्बेसडर साबित हुए हैं। प्राकृतिक आपदाओं के चलते केदारनाथ धाम की यात्रा प्रभावित हुई तो पीएम मोदी ने केदार धाम पहुंचकर सुरक्षित चारधाम यात्रा का संदेश देश दुनिया को दिया। प्रधानमंत्री के दौरों के बाद केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या अप्रत्याशित ढंग से बढ़ी है।

इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिथौरागढ़ जिले में स्थित आदि कैलाश में पहुंचने के बाद, इस क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बीते वर्ष मार्च में उत्तरकाशी जिले में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीतकालीन यात्रा का संदेश दिया। इससे प्रदेश में शीतकालीन यात्रा के साथ ही बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का उत्तराखंड से कर्म और मर्म का रिश्ता रहा है। उत्तराखंड उनके हृदय में बसता है।

उनके दौरे को लेकर देवभूमि वासियों में भारी उत्साह है। मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उत्तराखंड में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। दो लाख करोड़ से अधिक की विकास योजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में क्रांति आई है। चारधाम ऑलवेदर रोड परियोजना, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना, केदारनाथ एवं हेमकुंट साहिब रोपवे परियोजना, देहरादून–दिल्ली एलिवेटेड रोड जैसी बड़ी परियोजनाओं को उन्होंने स्वीकृति दी है। आज पीएमजीएसवाई के तहत दूरदराज ग्रामीण इलाकों में सड़कों के निर्माण के साथ ही हवाई और रेल सेवाओं का विस्तार हुआ है। रोप–वे परियोजनाओं पर तेजी से काम आगे बढ़ा है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

कब–कब उत्तराखण्ड आए प्रधानमंत्री मोदी

11 सितंबर 2015 – ऋषिकेश स्थित दयानंद सरस्वती आश्रम के स्वामी दयानंद गिरी की कुशलक्षेम लेने पहुंचे।

27 दिसंबर, 2016 – को देहरादून में चारधाम सड़क परियोजना की नींव रखी

18 मार्च 2017–– देहरादून में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग।

03 मई 2017–– प्रधानमंत्री बनने के बाद केदारनाथ की पहली यात्रा। कपाटोद्घाटन के मौके पर की पूजा–अर्चना।

20 अक्टूबर 2017––दूसरी बार पहुंचे केदारनाथ दर्शन को।

21 जून 2018––अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर एफआरआई देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग।

7 अक्टूबर 2018–––अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देहरादून में डेस्टिनेशन इन्वेस्टर समिट को किया संबोधित।

7 नवंबर 2018–––केदारनाथ में दर्शन कर पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उसके उपरांत उत्तरकाशी जिले में हर्षिल के पास स्थित अग्रिम सैन्य चौकी पर पहुंच कर आईटीबीपी और सेना के जवानों के साथ मनाई दीवाली। 14 फरवरी 2019––कार्बेट पार्क में स्थित ढिकाला पहुंचे। कार्बेट पार्क को रेस्क्यू सेंटर और वाइल्ड लाइफ टाइगर सफारी की सौगात दी। 18 मई 2019––केदारनाथ दर्शन और पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर ध्यान गुफा में 16 घंटे 45 मिनट तक की साधना। दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन 19 मई को बद्रीनाथ धाम में किए दर्शन।

2021 के बाद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले 17 बार उत्तराखंड आ चुके हैं। इस दौरान प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री को उत्तराखंड की विशिष्ट सांस्कृतिक, धार्मिक पहचान से जुड़ी प्रतिकृतियों, प्रतीक चिन्हों के साथ ही, उत्तराखंड के स्थानीय उत्पाद भेंट किए।

7 अक्टूबर 2021 – ऋषिकेश (स्थानीय हस्तशिप आधारित शॉल – पुस्तक) 5 नवंबर 2021 – केदारनाथ धाम (केदारनाथ मंदिर प्रतिकृति) 4 दिसंबर 2021 – देहरादून (शॉल, चंदन, इत्र और हर्बल प्रोडक्ट)।

30 दिसंबर 2021 – हल्द्वानी (शॉल और हिमालय की तस्वीर) 10 फरवरी 2022 – श्रीनगर (चुनावी जनसभा) 11 फरवरी 2022 – अल्मोड़ा (चुनावी जनसभा) 12 फरवरी 2022 – रुद्रपुर(चुनावी जनसभा) 23 मार्च 2022 – देहरादून (नवनिर्वाचित सरकार का शपथ ग्रहण)।

संक्षिप्त समाचार

विदेश में नौकरी के नाम पर 4.40 लाख ठगे

देहरादून। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक से 4.40 लाख रुपये की ठगी हो गई। कमाई डूबने से सदमे में आए युवक के पिता की मौत हो गई। युवक की मां की शिकायत पर रायपुर थाना पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ रायपुर संजीत कुमार ने बताया कि आदर्श विहार, हरबर्टपुर निवासी अनीता ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत की। बताया कि उनकी और उनके पति स्व. संजय कुमार की मुलाकात बालावाला निवासी सुबोध भट्ट से हुई थी। सुबोध का मोहकमपुर स्थित गढ़वाल मार्केट में ओवरसीज कंसल्टेंसी नाम से दफ्तर है। आरोपी ने उनके बेटे अंकुश को पोलैंड के होटल में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके एवज में मार्च 2023 से नवंबर 2023 के बीच चेक, यूपीआई और नकद से कुल 4.40 लाख रुपये लिए। आरोपी ने जून 2023 तक वीजा और दस्तावेज तैयार कर भेजने की बात कही थी। लेकिन बाद में बहाने बनाने लगा। ठगी का अहसास होने और मेहनत की कमाई डूबने के कारण पीड़िता के पति संजय कुमार गहरे मानसिक अवसाद में चले गए और इसी सदमे में उनकी मृत्यु हो गई। बाद में दबाव बनाने पर आरोपी ने नौ मई 2024 को एक अनुबंध किया कि वह 16 जून तक अंकुश को लिथुआनिया भेजेगा या हर्जाने सहित पैसे लौटाएगा, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर सुबोध भट्ट धमकी दे रहा है। एसओ ने बताया कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एटीएम काटकर चोरी का प्रयास, सिक्योरिटी अलार्म बजने से भागा शातिर

देहरादून। हरिद्वार रोड स्थित उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के एटीएम को काटकर कैश लूटने का प्रयास किया गया। मशीन से छेड़छाड़ होते ही एटीएम का सिक्योरिटी अलार्म बज उठा। जिससे चोर मौके से फरार हो गया। बैंक के ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर की तहरीर पर नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सरस्वती विहार ई–ब्लॉक निवासी व उत्कर्ष बैंक के ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर राकेश सिंह रावत ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल की तड़के करीब 3:19 बजे एक अज्ञात व्यक्ति हरिद्वार रोड स्थित उनकी एटीएम लॉबी में घुसा। उसने सबसे पहले कैमरों को कागज से ढक दिया और एटीएम को तोड़कर चोरी का प्रयास किया। इस दौरान मशीन क्षतिग्रस्त हो गई। अलार्म बजने के कारण बैंक का कैश सुरक्षित बच गया। बैंक प्रबंधन ने पुलिस को घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सौंप दी है। जिसमें एक व्यक्ति एटीएम में घुसकर तोड़फोड़ करता साफ नजर आ रहा है। एसओ नेहरू कॉलोनी मनोज नौटियाल ने बताया कि अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

खड़ी कार में टक्कर से पांवटा के कारोबारी की मौत

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के परवल नयागांव हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी क्रेटा कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार की पिछली सीट पर बैठे पांवटा साहिब निवासी कारोबारी दिनेश खुराना की मौके पर मौत हो गई। उनका एक परिचित गंभीर घायल है। मामले में पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।इंस्पेक्टर पटेलनगर विनोद गुसाईं ने बताया कि पांवटा साहिब, सिरमौर के वार्ड नंबर सात निवासी सुप्रिया खुराना ने शनिवार को तहरीर दी। कहा कि पांच अप्रैल की रात करीब 12:10 बजे वह अपने पति दिनेश और बेटे के साथ देहरादून से वापस घर लौट रही थीं। परवल नयागांव में नए हाईवे पर उन्होंने अपने परिचित शाकुल गर्ग की गाड़ी के पीछे अपनी क्रेटा सड़क के एकदम बाईं ओर सुरक्षित खड़ी की थी। तभी पीछे से बिना हेडलाइट जलाए बेहद तेज गति से आ रही हुंडई आई–20 ने उनकी कार में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि क्रेटा 20 फीट आगे जा गिरी। हादसे में पिछली सीट पर बैठे दिनेश खुराना की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं, कार के बाहर खड़े शाकुल गर्ग भी कार की चपेट में आकर करीब 20–22 फीट तक घिसटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी कार समेत चालक मौके से भाग निकला। घटनास्थल पर गिरे बोनट से मिले नंबर के आधार पर वाहन मालिक का नाम अमन कुमार बताया जा रहा है। इंस्पेक्टर गुसाईं ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

व्यूज के लिए सनसनीखेज वीडियो डालने में युवक पर मुकदमा

देहरादून। सोशल मीडिया पर व्यूज और फॉलोअर्स पाने की चाह में एक युवक ने सनसनीखेज और आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने फर्जी सूचना फैलाकर सार्वजनिक शांति भंग करने और दहशत फैलाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ आईटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। नेहरू कॉलोनी थाने के दरोगा धनीराम पुरोहित की ओर से शनिवार को यह केस दर्ज हुआ। जिसमें कहा कि शनिवार को एक इंस्टाग्राम आईडी से एक रील अपलोड की गई थी। वीडियो में एक लड़की अर्धनग्न अवस्था में जमीन पर पड़ी दिख रही थी, जिसे कथित तौर पर एक चलती कार से बाहर फेंका गया था। पोस्ट के कैप्शन में दावा किया गया कि लड़की के साथ दुष्कर्म कर उसे कार से फेंककर लड़के फरार हो गए। इंस्टाग्राम आईडी के नाम में उत्तराखंड जुड़ा था। आम जनता ने इसे राज्य की ही घटना मान लिया। इस अफवाह से लोगों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भारी रोष पनपने लगा। पुलिस ने जब मामले का संज्ञान लेकर जांच की तो सच कुछ और ही निकला।

उपराष्ट्रपति ने यूकॉस्ट महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत को किया सम्मानित

देहरादून। आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित आईटीआईटीआई, दून संस्कृति स्कूल, देहरादून के रजत जयंती समारोह के अवसर पर 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से जनजातीय जीवन में परिवर्तन' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारत के माननीय उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत को विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम के एक तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. पंत ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी न केवल जीवन को सरल बनाते हैं, बल्कि जनजातीय समुदायों की आजीविका, स्वास्थ्य, शिक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर सतत विकास की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

प्रो. पंत ने आगे कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएँ हैं। जनजातीय क्षेत्रों में कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। प्रो. पंत ने यह भी उल्लेख किया कि यदि विज्ञान को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप लागू किया जाए, तो यह जनजातीय समुदायों के जीवन स्तर में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन ला सकता है, साथ ही राज्य के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इस कार्यकम में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। दून संस्कृति विद्यालय के 25 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में यूकॉस्ट द्वारा उत्तराखंड की वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी नवाचारों को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित किया गया। यूकॉस्ट के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को राज्य में वैज्ञानिक गतिविधियों और नवाचार केंद्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। परिषद द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि आईटीआईटीआई और यूकॉस्ट मिलकर उत्तराखंड के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ. रीमा पंत, प्रहलाद अधिकारी, डॉ राजेंद्र राणा, विकास नौटियाल, अर्चित पांडेय, कुमार रोशन, संदीप मनराल आदि उपस्थित रहे।

गढ़वाल स्काउट्स के स्थापना दिवस पर जय बद्री विशाल की गूंज

देहरादून(। गढ़वाल स्काउट्स बटालियन के 63वें स्थापना दिवस समारोह जय बद्री विशाल और य स्काउट्स के जयकारों से गूंज उठा। रविवार को बड़ोवाला स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में चौकस हिम व्याघ्र की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए देश पर प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि गढ़वाल स्काउट्स के वीर सैनिकों का बलिदान और उनकी शौर्य गाथाएं आज के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले इन रणबांकुरों की वीरता आज भी हर सैनिक और उत्तराखंड वासियों की रगों में दौड़ रही है। देश की रक्षा में बटालियन के योगदान को अतुलनीय बताया गया। स्थापना दिवस पर बटालियन के गौरव सेनानियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कैप्टन हंसा दत्त सती, सूबेदार भगवान सिंह रमोला, गिरीश चंद्र, जयवीर सिंह और हवलदार मनोज जुयाल शामिल रहे।

वीकेंड पर शहर को जाम ने जकड़ा

ऋषिकेश। ऋषिकेश में रविवार को वीकेंड पर पर्यटक वाहनों का दबाव बढ़ने से एक बार फिर ट्रैफिक बेपटरी हो गया। जाम से शहर की सड़कें ही नहीं आंतरिक मार्ग पर भी जकड़ उठे, जिसके चलते पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोगों को आवागमन में फजीहत झेलनी पड़ी। रविवार सुबह करीब दस बजे से ही पर्यटक वाहनों के दबाव से हरिद्वार बाईपास मार्ग पर यातायात बेटपरी होना शुरू हो गया था। दोपहर होते–होते मार्ग पर हालात पुलिस के नियंत्रण से बाहर होते दिखे। इंद्रमणि बडोनी चौक से लेकर टीएचडीसी गेट तक वाहन रेंगते हुए नजर आए। पर्यटक वाहनों ने जाम से बचने के लिए गूगल मैप का इस्तेमाल करते हुए इंदिरानगर और अन्य मार्गों से नगर क्षेत्र की तंग सड़कों की ओर रुख किया। इससे स्थानीय लोगों को सिर्फ चलने में ही दुश्वारी पेश नहीं आईं, उन्हें दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहा। मुख्य मार्ग पर भी जयराम चौक से चंद्रभागा पुल तक का सफर न सिर्फ पर्यटक, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी दिनभर परेशानी का सबब बना रहा है। महज पांच मिनट के इस सफर में भी वाहन सवारों को आधा घंटे से ज्यादा देर तक जूझना पड़ा। सवारी वाहनों ने भीड़भाड़ से बचने के लिए आंतरिक मार्गों का रुख किया, जिससे दोपहिया वाहन सवारों को भी आवागमन में परेशानी उठानी पड़ी। खास बात यह है कि अभी न तो ठीक से पर्यटन सीजन शुरू हुआ और न ही चारधाम यात्रा। फिर भी हर दिन जाम लग रहा है।

डिप्लोमा इंजीनियर गिरफ्तार

देहरादून। क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने डिप्लोमा इंजीनियर की पढ़ाई कर चुके स्नैचर को गिरफ्तार किया है। आरोपी हाल में एक कंपनी में स्टोर कीपर का काम कर रहा था। नशे की महंगी लत ने उसे अपराधी बना दिया। उससे लूटी गई एक चेन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। क्लेमनटाउन थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि बीते सात अप्रैल को नई बस्ती क्लेमनटाउन निवासी दिनेश अग्रवाल ने केस दर्ज कराया। कहा कि एक स्कूटर सवार उनकी बुजुर्ग मां के गले से चेन झपटकर फरार हो गया है। केस दर्ज कर पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। शनिवार देर शाम झील तिराहा–भारूवाला मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी आकाश (25), निवासी शिवाजी एनक्लेव, रायपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आकाश ने श्रीनगर, पौड़ी से इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा किया है। इन दिनों वह सहस्रधारा रोड स्थित ब्लिंकिट कंपनी में स्टोर कीपर के रूप में काम कर रहा था। गलत संगत के चलते उसे नशे की लत लग गई।

स्वामी रामदेव से मिला दुनिया का सबसे लंबा किशोर, योग और आसन की लेगा प्रशिक्षण

हरिद्वार। दुनिया के सबसे लंबे किशोरों में गिने जा रहे सहारनपुर के 8 फीट 2 इंच लंबे करण राठी ने हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ पहुंचकर योग गुरु स्वामी रामदेव से मुलाकात की। इसका वीडियो सामने आने के बाद करण की असाधारण लंबाई एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। वीडियो में स्वामी रामदेव खुद करण की लंबाई देखकर हैरान नजर आते हैं और उनके स्वास्थ्य को लेकर योग के माध्यम से सुधार की बात करते दिखाई देते हैं। करण राठी के पिता संजय राठी पेशे से डॉक्टर हैं। करण मूलरूप से हरियाणा के बहादुरगढ़ के रहने वाले हैं और वर्तमान में यूपी के सहारनपुर में रह रहे हैं। करण ने स्वामी रामदेव को बताया कि वे 12वीं कक्षा के छात्र हैं और इसके बाद उन्हें डॉक्टर की पढ़ाई करनी है। करण असामान्य हाइट के चलते पहले भी सुर्खियों में रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि उनकी लंबाई 8 फीट 2 इंच है, जो उन्हें दुनिया के सबसे लंबे किशोरों में शामिल करती है। खास बात यह है कि करण के माता–पिता की लंबाई भी सात फीट से ज्यादा बताई जाती है, जिससे उनके परिवार में लंबाई का यह गुण आनुवंशिक माना जा रहा है। हालांकि, अत्यधिक लंबाई के साथ करण को कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं परेशानियों के समाधान के लिए करण की माता श्वेता राठी पतंजलि योगपीठ पहुंची हैं और वहां पर इलाज करवा रही हैं। करण भी माता के साथ पतंजलि योगपीठ में रह रहे हैं। पतंजलि योगपीठ में योग गुरु स्वामी रामदेव से मार्गदर्शन लिया।

चारधाम में यात्रियों की संख्या सीमित न करने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत

– तीर्थ पुरोहितों, होटल एवं ट्रैवल संगठनों ने मुख्यमंत्री धामी का जताया आभार

देहरादून। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड के चारों धामों में यात्रियों की संख्या सीमित न किए जाने के निर्णय पर चारों धामों से जुड़े तीर्थ पुरोहितों, पुजारियों, हितधारकों, चार धाम होटल एसोसिएशन, ट्रैवल एजेंसियों एवं विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर चारों धामों से जुड़े तीर्थ पुरोहितों और हितधाकरकों ने मुख्यमंत्री को कपाट खुलने के अवसर पर आमंत्रित भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए चार धाम यात्रा को और अधिक सुगम एवं सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में दर्शन के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसको ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सभी मतूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए सभी को सहभागी बनने की अपील की।

देवभूमि पहल समिति की बैठक संपन्न

देहरादून। देवभूमि पहल समिति के आधिकारिक पंजीकरण के उपरांत समिति की पहली ऐतिहासिक बैठक का आयोजन किया गया। यह संस्था केवल एक नाम नहीं, बल्कि समाज सेवा के प्रति एक साझा संकल्प और नई पहचान है। बैठक का शुभारंभ सेवा के मूल मंत्र के साथ किया गया:

देवभूमि पहल समिति एक ऐसा मंच है जहाँ विभिन्न आयु वर्ग के लोग समाज हित के कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए एकजुट हुए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति मुख्य रूप से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करेगी।

बैठक में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सर्वसम्मति से आगामी कार्यकाल के लिए पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से देवभूमि पहल समिति के अध्यक्ष के रूप में शिवम नेगी,महासचिव उत्कर्ष नेगी, कोषाध्यक्ष सौरव धूलिया, उपाध्यक्ष शालिनी नेगी, सहसचिव शालिनी कुलाश्री, कार्यकारिणी सदस्य नैंसी रावत, रोहित कुमार, अभय जुयाल, सुशांत कोहली का चयन किया गया । नवनियुक्त अध्यक्ष शिवम नेगी ने सभी स्वयंसेवकों से अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य के अनुसार सामाजिक कार्यों में जुटने का आह्वान किया। बैठक में आगामी कार्यों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के लिए 'ग्रीन आर्मी यूनिट' का गठन प्रमुख रहा। यह यूनिट विशेष रूप से वृक्षारोपण और स्वच्छता के लिए समर्पित रहेगी। समिति का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज के हित को सार्थक किया जा सकता है।

पूर्व सैनिक संगठन का आंदोलन 56वें दिन भी जारी रहा

पिथौरागढ़।पर्यावरण बटालियन विस्थापन के विरोध में पूर्व सैनिक संगठन का आंदोलन 56वें दिन भी जारी रहा। पूर्व सैनिकों ने प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता पर सवाल खडे किए और बटालियन के विस्थापन को रोकने की मांग उठाई। रविवार को टकाना रामलीला मैदान में पूर्व सैनिक संगठन का आंदोलन 56वें दिन भी जारी रहा। पूर्व सैनिकों आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर सम्मान यात्राएं निकाली जा रही हैं, बड़े–बड़े मंचों से सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मान की बातें की जा रही हैं। धरातल में अपने अधिकारों के लिए बैठे पूर्व सैनिकों की कोई सुनवाई नहीं हो रही। हर मंच से सैनिकों के त्याग और बलिदान की बात करना आसान है, लेकिन जब वही सैनिक अपने अधिकार और अपने क्षेत्र के भविष्य की बात करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जा रहा है।

पोक्सो एक्ट का वांछित आरोपी कोयम्बटूर, तमिलनाडु से गिरफ्तार

रुद्रपुर। नाबालिग के साथ दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी, पोक्सो एक्ट में वांछित आरोपी को पुलिस ने कोयम्बटूर, तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। कोतवाल सुंदरम शर्मा के अनुसार अनुसार गोपाल भट्टाचार्य पुत्र सुब्रत भट्टाचार्य निवासी टैगोरनगर न0–04 शक्तिफार्म फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। आरोपी के खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी हुआ था। पुलिस ने 19 फरवरी को मुकदमा दर्ज किया था। तभी से आरोपी फरार था।

खाटू श्याम मंदिर परिसर में मिला पुजारी का शव

रुड़की। भोगपुर गांव के पास खाटू श्याम का मंदिर परिसर में रविवार सुबह ग्रामीणों को पुजारी का शव लहूलुहान स्थिति में मिला है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी का विरोध करने या पहचान होने पर चोर ने घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। वहीं, पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लक्सर कोतवाली क्षेत्र स्थित भिक्कमपुर चौकी क्षेत्र के गांव भोगपुर के पास खाटू श्याम का मंदिर है। इसमें पिछले दो माह से पुरकाजी क्षेत्र जिला मुजफ्फरनगर के गोधना गांव निवासी राजवीर (65) मंदिर में रहकर देखभाल और पूजा पाठ कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, शनिवार रात पुजारी मंदिर के प्रांगण में सोए हुए थे। रविवार सुबह ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो उन्होंने पुजारी को लहूलुहान हालत में मृत पड़ा देखा। ग्रामीणों के इसकी सूचना पुलिस को दी।

एक नजर

बच्चों को सिखाया इंटीग्रेटिंग ड्रामा व आर्टस के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इंटीग्रेटिंग ड्रामा एंड आर्टस विद एज्युकेशन फॉर इनहेंसमेंट ऑफ लर्निंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को इंटीग्रेटिंग ड्रामा एंड आर्टस की जानकारी दी गई। रंगकर्मी साहित्यकार एवं चित्रकार अनुसूया प्रसाद डंगवाल सरस व उनके सहयोगी रंगकर्मी वीर सिंह मणी ने बच्चों को जानकारी दी। प्राचार्य आरएस चौहान ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस दौरान प्राचार्य ने अनुसूया प्रसाद डंगवाल की गीत, गजल, फुटकर कविता संग्रह का विमोचन किया। इस मौके पर बीएड संकाय से विभागाध्यक्ष डा.हरीश प्रजापति, रश्मी बहुखंडी आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण के लिए अनिश्चितकालीन धरने पर डटे ग्रामीण

पौड़ी। विकास खंड कीर्तिनगर के ग्राम पंचायत धारपंयाकोटी के अंतर्गत बाग्यों तोक के लिए स्वीकृत 3 किलोमीटर सड़क का निर्माण पांच साल बाद भी अधूरा रहने से ग्रामीणों में आक्रेश है। ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग मात्र ढाई किलोमीटर सड़क का निर्माण कर पाया है जबकि शेष मार्ग को अधूरा छोड़ दिया गया है। सड़क निर्माण का काम पूरा करने की मांग के लिए ग्रामीणों का चौरधाल्डा नामी तोक में अनिश्चितकालीन धरना रविवार को भी जारी रहा।ग्रामीणों ने कहा कि इस संबंध में 9 मार्च 2026 को जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल एवं अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, कीर्तिनगर को पत्र भेजकर सड़क निर्माण पूरा करने की मांग की गई थी। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक उनके गांव को सड़क से नहीं जोड़ा जाता तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इसके बाद भी मांग पूरी नहीं हुई तो जल्द धरना क्रमिक अनशन और उसके बाद आमरण अनशन में बदला जाएगा। कहा कि वर्ष 2021–22 में उक्त मोटर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ था लेकिन आज तक निर्माण कार्य ढाई किलोमीटर से आगे नहीं बढ़ पाया है। धरने पर जोधा सिंह राणा, उत्तम सिंह राणा, उक्रांद के ब्लॉक अध्यक्ष रघुवीर सिंह पंवार, रेवत सिंह, दिनेश सिंह, अजयपाल सिंह,चंदन सिंह, शकुंतला देवी, सौकानी देवी, जगदंबा देवी और आशा देवी आदि बैठे रहे।

घोषित बंदी के बाद भी खोली दुकान

पौड़ी। नगर के दो व्यापारी शैलान सिंह नेगी और जगदीश भट्ट के आकस्मिक निधन पर व्यापार सभा की ओर से रविवार को घोषित व्यापारिक बंदी का उल्लंघन करने पर संगठन ने सख्त तेवर अपनाए हैं। शोक स्वरूप घोषित बंद के बावजूद कुछ दुकानें खुली रहने पर कार्यकारी अध्यक्ष विनोद टोडरिया ने मौके पर पहुंचकर व्यापारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि जो व्यापारी संगठन के नियमों का बार–बार उल्लंघन कर रहे हैं वे स्वेच्छा से व्यापार सभा से अलग हो जाएं। टोडरिया ने चेतावनी दी कि व्यापारिक एकता ही संगठन की असली शक्ति है और जो दुकानदार निर्णय की अनदेखी करेगा उसे सदस्यता से निष्कासित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे व्यापारियों का किसी भी स्तर पर साथ नहीं दिया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए मई के प्रथम सप्ताह में व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद गोयल, अखिलेश कोटियाल, विनोद बडोला और दिगम्बर सिंह सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

खड़ दीया अनुष्ठान के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, आठ ने कराया पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल। सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में खड़ दीया अनुष्ठान के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष बैकुंठ चतुर्दशी 23 नवंबर को अनुष्ठान किया जाएगा। खास बात यह है कि हर साल बैसाखी के दिन से शुरू होने वाले पंजीकरण इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए बैसाखी से पहले ही शुरू कर दिए गए हैं। अनुष्ठान के लिए अभी तक आठ दंपती पंजीकरण करा चुके हैं। महंत 108 आशुतोष पुरी ने बताया कि बीते 11 अप्रैल से मंदिर परिसर में दंपतियों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अनुष्ठान को लेकर मंदिर सेवादल के सदस्य भी अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। कमलेश्वर महादेव मंदिर में होने वाले इस अनुष्ठान की मान्यता दूर–दूर तक है। यही कारण है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु भी यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। अब तक खड़ दीया अनुष्ठान के लिए आठ दंपती पंजीकरण करा चुके हैं जिनमें मुख्य रूप से दिल्ली, हरियाणा और मेरठ के श्रद्धालु शामिल हैं। संतान कामना के लिए यह अनुष्ठान होता है।

गायक मासूम शर्मा के खिलाफ कांग्रेस नेता ने दी शिकायत

श्रीनगर गढ़वाल। शनिवार को देहरादून के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी गायक मासूम शर्मा पर अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगा है। इस मामले में श्रीनगर से कांग्रेस के जिला महामंत्री सुधांशु नौडियाल ने कोतवाली में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में कहा गया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भी थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान गायक मासूम शर्मा ने एक विधायक की मौजूदगी में अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जो शिक्षा के मंदिर कॉलेज परिसर में अनुचित है। सुधांशु नौडियाल ने कहा कि इस तरह की भाषा न केवल उत्तराखंड की संस्कृति और परंपराओं का अपमान है बल्कि इससे समाज में गलत संदेश भी जाता है। उत्तराखंड में इस तरह के कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सम्मेलन में छात्रों ने किया पुराने दिनों को याद

नई टिहरी। पीएमश्री अटल उत्कृष्ट शहीद नागेंद्र दत्त सकलानी राजकीय इंटर कॉलेज पुजार गांव सत्यों (सकलाना) में पुरातन छात्र–छात्राओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पालिका मसूरी की अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा के स्वरूप और स्तर में काफी बदलाव आया है।

गोखले मार्ग के बाद अब पटेल मार्ग भी बन रहा अतिक्रमण का अड्डा

जगह-जगह खड़ी रेहड़ी ठेलियों के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल

कोटद्वार में पटेल मार्ग पर अनाधिकृत रूप से लगी फल–सब्जी की ठेलियां

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां आपको अतिक्रमण न दिखाई दें। हालत यह है कि गोखले मार्ग के साथ ही अब पटेल मार्ग भी अतिक्रमणकारियों को अड्डा बनता जा रहा है। अतिक्रमण के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। शिकायत के बाद भी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। गोखले मार्ग में पसरा स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण तो पूर्व से ही नगर निगम के लिए नासूर बना हुआ है। लेकिन, अब यह नासूर पटेल मार्ग तक फैल गया है। हालात यह है कि मस्जिद के पिछले हिस्से में पटेल मार्ग पर नई फल-सब्जी मंडी विकसित होने लगी है। दरअसल, नगर निगम की ओर से गोखले मार्ग में खानापूर्ति के नाम पर चलाए जाने वाले अतिक्रमण अभियान से निजात पाने के लिए बाहरी क्षेत्रों से आने वाले फल-सब्जी व्यापारियों ने पटेल मार्ग में अपने फड़-ठेलियां लगाना शुरू कर दिया। शुरूआत में दो-तीन ठेलियां थी। लेकिन, समय के साथ अब इन ठेली-फड़ों की तादाद बढ़ती जा रही है। नतीजा, गोखले मार्ग की तरह अब पटेल मार्ग में भी अनाधिकृत सब्जी मंडी विकसित होने लगी है। बताना जरूरी है कि पटेल मार्ग में पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले मैक्स वाहन भी खड़े रहते हैं। साथ ही इस मार्ग पर कुछ होलसेल व्यापारियों के गोदाम भी हैं। ऐसे में इस मार्ग पर दुर्घटना की संभावनाएं बनी रहती हैं।

यह होती है समस्या

नगर के मध्य से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की दबाव काफी अधिक होता है। झंडा चौक से नजीबाबाद चौक के मध्य अतिक्रमण के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारे की तरह नजर आता है। नतीजा, इस क्षेत्र में जाम की स्थिति बनी रहती है। लेकिन, गोखले मार्ग और पटेल मार्ग को यदि अतिक्रमण मुक्त कर दिया जाए तो इस जाम से निजात मिल जाएगी। दरअसल, पर्वतीय क्षेत्र से मैदानी क्षेत्रों को जाने वाले वाहनों को तहसील चौक से गैरेज रोड, सिनेमा रोड चौराहे से होते हुए सीधे नजीबाबाद चौक पर भेजा जा सकता है। इसी तरह स्टेशन से पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले वाहनों को नजीबाबाद चौक के बजाए गोखले मार्ग से झंडा चौक होते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में भेजा जा सकता है।

तेज हुई चुनाव की तैयारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः शहर में व्यापार सभा के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कार्यकारिणी का कार्यकाल वैसे तो तीन साल का होता है लेकिन इस बार लगभग चार साल पूरे होने जा रहे हैं। इतने लंबे इंतजार के बाद अब चुनाव की आहट से व्यापारियों में उत्साह हैप्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने बताया कि चुनाव के लिए सदस्यता अभियान जोरों पर है। अब तक लगभग 1100 व्यापारी सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। वर्तमान में वोटर लिस्ट तैयार की जा रही है जिसका काम जल्द पूरा हो जाएगा। व्यापार मंडल की कोशिश है कि इसी महीने (अप्रैल) में चुनाव की आधिकारिक घोषणा कर दी जाए। वहीं अध्यक्ष पद के लिए दो संभावित प्रत्याशियों ने अपने-अपने स्तर पर जनसंपर्क तेज कर दिया है। वहीं इन दिनों श्रीनगर बाजार की हर दुकान और चौराहे पर सिर्फ व्यापार सभा चुनाव की ही चर्चा है। वहीं महामंत्री, कोषाध्यक्ष जैसे अन्य पदों के प्रत्याशी फिलहाल खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं।

जनगणना ड्यूटी से प्रभावित हो रही शिक्षा व्यवस्था

प्रशासन को ज्ञापन देते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जयहरीखाल क्षेत्र में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिक्षकों ने प्रशासन को ज्ञापन देते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। राजकीय शिक्षक संघ ने इस संबंध में तहसीलदार को ज्ञापन दिया। संगठन के जिलाध्यक्ष भवान सिंह नेगी व जिला मंत्री बिजेंद्र बिष्ट ने बताया कि विद्यालयों के लगभग 70 प्रतिशत शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना के पर्यवेक्षक व प्रगणक के कार्य में लगाई गई है। कई शिक्षकों की ड्यूटी विद्यालय से 30 किलोमीटर की दूरी पर लगाई गई है। शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही विद्यालय शिक्षकविहीन होने से पठन–पाठन का कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने शिक्षकों की ड्यूटी समान अनुपात में लगाने व शिक्षको की सेवित क्षेत्र में ही ड्यूटी लगाने की मांग उठाई। इस मौके पर जिला मंत्री बिजेंद्र बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष पूरन नेगी, ब्लाक अध्यक्ष सतेंद्र रावत, ब्लॉक मंत्री जगमोहन गुसाईं आदि मौजूद रहे।

फर्नीचर की दुकानों में लगी आग सामान जलकर हुआ खाक

आग की चपेट में आने से पांच दुकानों में रखा लकड़ी का सामान जला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बाजार क्षेत्र से गाड़ीघाट को जाने वाले मार्ग पर मालगौदाम रोड के समीप स्थिति पांच दुकानों में रविवार को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में एक के बाद एक पांच दुकानें आ गई। जिससे दुकानों में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग के कई टैंकरों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह थी कि आग पर समय से काबू पाया गया। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

रविवार करीब 12 बजे कुछ लोगों को गालगौदाम स्थित एक फर्नीचर की दुकान के भीतर से धुंआ निकलता हुआ दिखाई दिया। रविवार छुट्टी होने के कारण दुकानें बंद पड़ी हुई थी। लोगों ने इसकी सूचना दुकान स्वामी को दी।

कोटद्वार के गाड़ीघाट क्षेत्र में दुकान के भीतर से निकलती आग की लपटे

जिसके बाद दुकान स्वामी नदीम मौके पर पहुंचा। जैसे ही नदीम ने दुकान का शटर खोला तो फर्नीचर आग की चपेट में आ चुका था। देखते ही देखते आग विकराल होने लगी और आसपास की दुकानों को भी अपने चपेट में ले लिया। सूचना के बाद पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन, आग की लपटे काफी तेज थी। एक के बाद एक तीन अग्निशमन टेंक से भी आग नहीं बुझ पाई। इसके बाद कौड़िया आर्मी कैंप से सेना का अग्निशमन टेंक भी मंगवाया गया। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन अधिकारी महताब अली खां ने बताया कि आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। बताया कि आग के कारण पांच दुकानों में रखा सामान खाक हो गया। जिसमें चार फर्नीचर व एक लोहे की दुकान थी।

लालढांग-चिलरखाल को एलिवेटेड बनाए सरकार

चिलरखाल वन चौकी के समीप मार्ग निर्माण को लेकर धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही जनप्रतिनिधि लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को बेहतर तरीके से बनाने की बात कह रहे हो। लेकिन, स्थानीय लोग एलिवेटेड मार्ग से नीचे कोई समझौता नहीं करना चाहते। मार्ग को एलिवेटेड बनने की मांग को लेकर लोगों का धरना रविवार को भी जारी रहा। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए। अन्यथा लोगों को सड़क पर उतरकर अंदोलन करना होगा।

मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। कहा कि स्थानीय जनता पिछले कई माह से लालढांग–चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धरना दे रही है। 12 फरवरी को न्यायालय ने लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को स्वीकृति दी थी। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण को लेकर धरातल पर कोई कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है।

इससे पता चलता है कि सरकार जन हितों को लेकर कितनी लापरवाह बनी हुई है। कहा कि घने जंगल से निकलने वाले मार्ग को एलिवेटेड बनाया जाना चाहिए। जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटनाएं न हो। मार्ग पर 24 घंटे आवागमन बना रहे। उक्त मार्ग के बनने से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही इससे कण्वाश्रम क्षेत्र को भी एक नई पहचान मिलेगी। क्षेत्रवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से होते हुए नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर रविंद्र सिंह, मनोज कुमार, अखिलेश आदि मौजूद रहे।

नगरपालिका ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि, दुगड्डा। राज्य सरकार द्वारा जिसमें स्वच्छता सप्ताह के तहत नगर पालिका परिषद दुगड्डा द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के तहत पालिका स्थित सुभाष चौक के निकट वृहद अभियान शुरू किया गया। स्वच्छता अभियान के दौरान लगभग एक कुंतल कूढा एकत्रित किया गया। जिसे निस्तारण हेतु कूढा निस्तारण स्थल पर भेजा गया। तत्पश्चात नगर क्षेत्र के पांच सार्वजनिक शौचालयों की विशेष साफ-सफाई की गई। स्वच्छता अभियान में गोवर्द्धन जोशी, अधिशासी अधिकारी, समस्त पालिका कर्मचारी तथा पर्यावरण मित्रों सहित 30 लोग शामिल रहे।

राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में वाणिज्य परिषद का गठन

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार। राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार के वाणिज्य संकाय में वाणिज्य परिषद का गठन किया गया ।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर हरिश्चंद्र ने परिषद के गठन को महत्वपूर्ण बताया तथा परिषद के माध्यम से छात्र छात्राओं को शिक्षण तथा अन्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का विचार प्रेषित किया । वाणिज्य संख्या के विभाग प्रभारी डॉ. दिवाकर बौद्ध ने वाणिज्य परिषद के गठन की आवश्यकता तथा गठन से संबंधित कार्रवाई पर अपने विचार व्यक्त किए ।वाणिज्य संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अनुराग शर्मा ने वाणिज्य परिषद में विभिन्न पदों की सविस्तार जानकारी प्रदान की तथा परिषद के महत्व पर प्रकाश डाला । वर्ष 2025–26 के वाणिज्य परिषद में अध्यक्ष पद पर शिखर गौड़ बीकॉम तृतीय वर्ष, उपाध्यक्ष के पद पर दिव्यांशु डबराल बीकॉम. द्वितीय वर्ष तथा सचिव के पद पर प्रीति बी.कॉम प्रथम वर्ष को सर्व सम्मति से चयनित किया गया । कक्षा प्रतिनिधि में सलोनी बी.कॉम तृतीय वर्ष, प्रेरणा पड़ेलिया बी.कॉम द्वितीय वर्ष तथा आयुष जदली बी.कॉम प्रथम वर्ष का चयन किया गया। परिषदीय गठन के कार्यक्रम में डॉ. दिवाकर बौद्ध, डॉ. अनुराग शर्मा, श्री सुमन नेगी, श्री अजय रावत, श्री रविंद्र कंडारी श्री जितेंद्र, प्रियांशु, सलोनी, हिमांशु नौटियाल, हिमांशु बलूनी, प्रेरणा, शिवानी, दिया, शिवम, साक्षी बेबनी, आकांक्षा, नेहा, अंजलि, शिखर, गरिमा, स्वाति, अलंकृत, निकिता, दिव्यांशु अनीशा, उर्वशी, नेहा,तथा अनेक छात्र /छात्रा उपस्थित रहे।

चक्रधर शर्मा का निधन, दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः समाज सेवी व साहित्यांचल संस्था के संरक्षक चक्रधर शर्मा का निधन हो गया। विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने दो उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि समाज सेवा के लिए दिया गया शर्मा का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि चंक्रधर शर्मा 96 वर्ष के थे। 9 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया कि चक्रधर शर्मा ने कोटद्वार स्थित गौरी पुस्कालय में एक लाइब्रेरियन रहे है। तत्कालीन समय में गौरी सार्वजनिक पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से संदर्भित दस हजार से ज्यादा पुस्तकें थी। जिन्हें पढने के लिए सैकडों की संख्या में लोग पुस्तकालय में जाया करते थे। कहा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद लगातार विभिन्न संस्थाओं से जुडे रहे, खास–कर साहित्याचल संस्था में वे सरंक्षक रहे। कहा कि वे समाज सेवी व चिंतक रहे। कहा कि उनके निधन से साहित्य प्रेमियों को क्षति पहुंची है। इस मौके पर चंद्रप्रकाश नैथानी, प्रवेश नवानी, डा. पदमेश बुडाकोटी, विजय माहेश्वरी, आचार्य राकेश लखेडा, शंकर दत्त गौड, श्याम प्रसाद कोटनाला, राकेश अग्रवाल, डा. दिवाकर बेबनी, राजेंद्र पंत मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में चक्रधर शर्मा को श्रद्धांजलि देते सदस्य

आज से शुरु हो रहा शादियों का सीजन, सिलिंडन ने बढ़ाई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सोमवार से शादियों का सीजन शुरु हो रहा है। ऐसे में रसोई गैस की किल्लत से शादी समारोह वाले घरों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि प्रशासन की ओर से ऐसे परिवारों को दो सिलिंडर दिए जा रहे हैं। लेकिन, सैकड़ों मेहमानों के लिए तरह-तरह के भोजन बनाने के लिए यह सिलिंडर कम पड़ सकते हैं।

13 अप्रैल से शादियों का सीजन शुरु हो रहा है। इसको लेकर लोगों ने अपनी तैयारियां शुरु कर दी है। बारात घर भी सजने शुरु हो गए हैं। लेकिन, इस सबके बीच आयोजकों को सिलिंडर की भी चिंता सताने लगी है। हालांकि, शासन-प्रशासन ने शादी समारोह वाले परिवारों को दो सिलिंडर देने की बात कही है। लेकिन, एजेंसी उपलब्धता पर ही सिलिंडर दे सकता है। ऐसे में कई लोग लकड़ियों का विकल्प तलाश रहे हैं। कई बारात घरों में लकड़ी पर भोजन बनाने के लिए भट्टी तैयार की जा रही है। बारात घर संचालकों ने बताया कि शादी समारोह संपन्न करवाने के लिए सिलिंडर के साथ लकड़ी के विकल्प भी रखा जा रहा है। लकड़ी में भोजन बनाया जाएगा। जबकि, सिलिंडर में भोजन गर्म किया जाएगा। शादी समारोह के लिए दो सिलिंडर मिल रहे हैं। लेकिन, सैकड़ों लोगों के लिए तरह-तरह का भोजना बनाना दो सिलिंडर में संभव नहीं है।

अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आज

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वारः संविधान निर्माता बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति की ओर से अंबेडकर जंयती पर कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जानकारी देते हुए विकास कुमार आर्य ने बताया कि मालवीय उद्यान में कार्यक्रम होगा। जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, कलाकार व प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान बच्चों के लिए भाषण, नृत्य, योग सहित अन्य प्रतियोगिता होगी। कार्यक्रम सुबह दस बजे से प्रारंभ होगा। इसके लिए समिति के सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है।

तिनवाल गांव के लोगों ने शादी–समारोह में शराब को किया प्रतिबंधित

नई टिहरी। प्रतापनगर के ग्राम पंचायत तिनवाल गांव में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान कृपाल सिंह राणा की अध्यक्षता में बैठक कर गांव में शादी–समारोह और मांगलिक कार्यक्रमों शराब को प्रतिबंधित किया है। कहा कि उल्लंघन करने वालों पर 31 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। तिनवाल गांव के ग्राम प्रधान राणा ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति के बाद मांगलिक कार्यक्रमों में शराब को प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर नशा मुक्ति संघर्ष समिति का गठन भी किया गया है। समिति में मंजू देवी को अध्यक्ष, देवा देवी उपाध्यक्ष, रजनी देवी कोषाध्यक्ष, विनिता देवी को सचिव बनाया गया है। कई लोगों समिति का सदस्य बनाया गया है। इसके बाद गांव का कोई व्यक्ति जबरन मांगलिक कार्य में गांव में शराब पिलाता है, तो उनका सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। कहा कि कोई व्यक्ति गांव में शराब पीकर गाली–गलोज करता है, तो नशा मुक्ति समिति कार्रवाई करेंगी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवी सिंह पंवार ने कहा कि शराब के कारण परिवार और समाज में लड़ाई–झगड़े बढ़ रहे हैं जिसका सीधा असर बच्चों पर पड़ रहा है। इस मौके पर दरबार सिंह राणा, यशपाल राणा, लेखपाल सिंह राणा, कीर्ति सिंह राणा, विजय पाल राणा, किशन सिंह, प्यार सिंह चौहान, शिवराज राणा, बेताल सिंह राणा, मदन सिंह, नत्था सिंह, विशन सिंह आदि मौजूद थे।

संपादकीय

उत्तराखंडी लोक संस्कृति पर खतरा

उत्तराखंड के लोकगीत और लोक संस्कृति भले ही पूरे विश्व भर में धूम मचा रही हो लेकिन खुद देवभूमि के अंदर इसकी अनदेखी अपने ही लोग कर रहे हैं। अपनी संस्कृति को जानकारी कर गाली गलौज और अभद्रता फैलाने वाले कथित गायको का उत्तराखंड के अंदर प्रवेश सीधे तौर पर यहां की संस्कृति पर एक बड़ा हमला है। उत्तराखंड के सबसे बड़े महाविद्यालय दव पीजी कॉलेज में छात्र संघ समारोह के दौरान हरियाणा के एक बिगड़ैल गायक द्वारा मंच से ही बत्ती बत्ती गलियों का उच्चारण किया गया जिससे पूरा प्रदेश स्तब्ध रह गया।एक गायक सरे आम अभद्र गालियाँ देकर उत्तराखण्डियों के मुँह पर तमाचा मार कर चला गया, छात्र और विधायक ताली बजाते रह गए। धिक्कार है, शर्मनाक व दुर्भाग्यपूर्ण है यह सब। छात्र संघ और हरियाणवी गायक ने देवभूमि कलंकित कर दी। राजधानी के मंच से ही उत्तराखण्ड के शहीदों व राज्य आन्दोलनकारियों को भी शर्मसार कर दिया। अब एक बड़ा चिंतन यह है कि आखिर क्या इसी अश्लीलता और गालियां खाने के लिए मातृशक्ति ने एक बड़ी क्रांति छेड़ी थी? सवाल तो यह भी उड़ता है की एक ऐसा गायक जो पहले से ही गलियों और मारपीट के लिए सुर्खियों में रहा हो उसे देवभूमि की धरती पर बुलाने का क्या औचित्य है? शर्मनाक। उत्तराखंड और देहरादून तो पहले से ही हरियाणा कल्चर से परेशान है और अब यह गंदगी स्कूल कॉलेज परिसरों के अंदर भी घुस गई है। वे कौन लोग हैं जो राज्य की पहचान को धूमिल करने पर तुले हैं? आखिर क्यों उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति को पीछे धकेलकर फूहड़ता को मंचों पर जगह दी जा रही है? देवभूमि उत्तराखंड जो अपनी लोक परंपराओं, गीत–संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, आज एक नई चुनौती से जूझ रहा है। तेजी से बढ़ता गन और गाली कल्चर समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। किसी भी समाज का ह्रास वहीं से शुरू होता है, जब लोग अपनी जड़ों और संस्कृति को भूलने लगते हैं। जिन मंचों का उद्देश्य लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन का होना चाहिए था, आज वहीं से अभद्र भाषा और फूहड़ता को बढ़ावा मिल रहा है। स्थानीय प्रतिभाओं और लोक गायकों को पीछे धकेलकर ऐसे कंटेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो न तो समाज के लिए सकारात्मक है और न ही आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक। यह बदलता रुझान न केवल उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को कमजोर कर रहा है, बल्कि युवाओं के मन और सोच पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या समय रहते इस पर लगाम लगाई जाएगी, या देवभूमि की पहचान यूँ ही धुंधली होती जाएगी। हमारे लोक गायक जिंदा रखने का कार्य करते हैं लेकिन नेता गिरी आजकल इतनी हावी हो गई है जब हम सब पहाड़ी लोग है तो फिर पहाड़ी लोक कलाकारों के अलावा इनको क्यों ज्यादा भाव दिया जा रहा है क्यों आज तक हमारे लोक गायकों या पहाड़ी कलाकारों के लिए कोई नीति नहीं बनी क्यों आजतक कोई संस्कृति मंत्रालय के नाम पर हमारे लोक गायकों को जब सभी कलाकारों को बार बार बड़े मंच नहीं दिये जा रहे है जब प्रदेश सरकार दर्जा धारियों पर इतना पैसा खर्च कर रही हैं तो आज तक किसी भी लोकगायक को संस्कृति मंत्रालय के अधीन को दर्जाधारी नहीं बनाया गया। कैसे आयोजनों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और समझ लेना चाहिए कि यह उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं पर हमले की शुरूआत होचुकी है।

आशा भोसले: सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

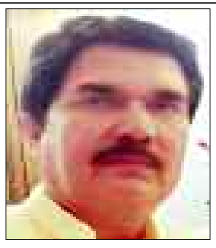

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दशार्ता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जलियांवाला बाग: आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया–फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृश्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अत: भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

संक्षिप्त समाचार

अमीर और गरीब देशों के बीच खाई चौड़ी हो रही है : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कई देशों द्वारा सहमत किए गए महत्वपूर्ण कदम, जिनमें प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों का पुनर्गठन भी शामिल था, अब तक केवल अधूरे वादे बनकर रह गए हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने संकेत दिया है कि वैश्विक विकास को उन्नत करने की योजना थी, लेकिन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के उप महासचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्त आकर्षित करने के प्रयासों को और अधिक जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक अत्यंत खतरनाक समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक विचार आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से आकार दे रहे हैं।

किम जोंग उन ने चीन के 'बहुध्रुवीय विश्व' के एजेंडे का समर्थन किया, विदेश मंत्री वांग यी के साथ बढ़ेगी दोस्ती

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चीन द्वारा 'बहुध्रुवीय विश्व' के निर्माण के प्रयासों का पुरजोर समर्थन करते हुए दोनों पारंपरिक सहयोगियों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया है। यह बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई। शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सरकार चीन के 'एक चीन सिद्धांत' के आधार पर उसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगी। यह सिद्धांत बीजिंग की उस आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है कि ताइवान चीन का अविभाज्य अंग है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया।

ईरान ने कहा भारतीयों की नेकी व इंसानियत के हम कायल, शुक्रिया

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे। इसमें कश्मीरी लोगों की खास तौर से सराहना की गई। दूतावास ने खासकर एक कश्मीरी महिला के योगदान की खासी सराहना की। इस महिला ने अपने दिवंगत पति की याद में 28 साल से रखी सोने की निशानी ईरान की मदद के लिए दान कर दी थी।

ईरान को गुपचुप हथियार भेज रहा है चीन, अमेरिकी एजेंसी का खुलासा ; भड़केंगे ट्रंप ?

तेहरान , एजेंसी। एक ओर चीन खुद को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने वाले शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों ने दावा किया है कि चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए कंधे से दागे जाने वाले विमान भेदी मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, चीन इन प्रणालियों को तीसरे देशों के माध्यम से भेजने की योजना बना रहा है ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके। ये सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए काल साबित हो सकते हैं। पिछले हफ्ते ईरान ने जिस अमेरिकी एफ-15 जेट को मार गिराया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि उसमें इसी तरह की हैंडहेल्ड हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। यदि यह चीनी निर्मित है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी का सबूत होगा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। एक तरफ चीन ने युद्धविराम कराने में मदद का दावा किया, वहीं दूसरी ओर वह ईरान को हथियार देकर युद्धविराम का उपयोग उसकी सैन्य शक्ति को फिर से संचित करने के लिए कर रहा है। अगले महीने होने वाली ट्रंप-शी वार्ता अब इस खुफिया रिपोर्ट के कारण काफी तनावपूर्ण होने की उम्मीद है। यदि अमेरिका के पास चीनी हथियारों के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो न केवल युद्धविराम टूट सकता है बल्कि अमेरिका चीन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है।

नासा का आर्टेमिस 2 मिशन : कैप्सूल से निकाले गए चारों अंतरिक्ष यात्री, चेहरे पर दिखी खुशी

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस मिशन में शामिल सभी अंतरिक्ष यात्री 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे।

यह ऐतिहासिक वापसी प्रशांत महासागर में सैन डिएगो के तट के पास हुई। कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद पैराशूट सिस्टम के माध्यम से समुद्र में सुरक्षित उतरा। इसके बाद रिकवरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी देर चली प्रक्रिया के बाद अंतरिक्षयात्रियों को सुरक्षित कैप्सूल से बाहर निकाला गया। यहां से सेना का हेलीकॉप्टर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। नासा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है और वे अब यूएसएस जॉन पी. मुर्था पर हैं। इसके बाद उन्हें चिकित्सा कक्ष में ले जाया जाएगा, जहां मिशन के बाद उनकी चिकित्सा जांच की जाएगी। यूएसएस जॉन पी. मुर्था के डेक पर क्रिस्टीना और विक्टर के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, क्योंकि वे मिशन के बाद की नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाए जाने का इंतजार कर रहे थे।'

नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने भी ओरियन की पृथ्वी वापसी पर सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हमारे दल ने नासा आर्टेमिस मिशन 2 के दल को चंद्रमा की यात्रा से लौटते समय पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हुए देखा! मॉड्यूल के जलने के साथ ही हमें सबसे पहले एक तेज रोशनी और एक लकीर दिखाई दी। हमने ओरियन कैप्सूल को सीधे प्रवेश करते हुए नहीं देखा, लेकिन वायुमंडल के ऊपरी भाग में उसके द्वारा छोड़ी गई धुंधली लकीर को अवश्य देखा। अपने साथियों के इस अद्भुत मिशन के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई!

पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

तनाव के बीच जवाबी कार्रवाई करते हुए इक्वाडोर पर कोलंबिया 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश इक्वाडोर से आयात पर शुल्क 30 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देगा। यह कदम क्विटो द्वारा एक दिन पहले लिए गए निर्णय के अनुरूप है, क्योंकि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। व्यापार मंत्री डायना मोरालेस ने एक बयान में कहा कि इक्वाडोर द्वारा शुल्क में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की नवीनतम वृद्धि ने कोलंबिया को अपनी नीति में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। डायना मोरालेस कहा, 'हमने सभी राजनयिक प्रयास किए और इक्वाडोर सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जिससे दोनों देशों, व्यापारियों और सबसे बढ़कर सीमा के दोनों ओर के समुदायों को लाभ हो। हालांकि, हमें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए हम अपने टैरिफ उपायों को इक्वाडोर की नई दर के अनुरूप समायोजित करने के लिए मजबूर हैं। कोलंबिया सरकार प्रभावित व्यवसायों की मदद के लिए क्रेडिट लाइन और वित्तपोषण तक पहुंच सहित सहायता उपाय शुरू करेगी।

व्यापार घाटे का हवाला देते हुए और कोलंबिया पर साझा सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए इक्वाडोर ने हाल के महीनों में अपने बड़े पड़ोसी देश के खिलाफ टैरिफ बढ़ा दिए हैं, जबकि कोलंबिया ने इन आरोपों से इनकार किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के उस बयान पर भी दोनों देशों के बीच टकराव हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को 'राजनीतिक कैदी' के रूप में रखा गया है और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

इक्वाडोर और कोलंबिया के बीच बढ़ता तनाव पेट्रो के राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम महीनों में सामने आया है। 2022 में चुने गए पेट्रो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति हैं और देश के छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष में शामिल एक पूर्व विद्रोही हैं।

हत्या का वीडियो साझा कर ट्रंप ने आव्रजन नीति को ठहराया सही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में हुई एक महिला की हत्या का कथित वीडियो साझा करते हुए अपनी सरकार की निर्वासन नीति को सही ठहराया। यह हमला कथित रूप से हैती मूल के एक प्रवासी द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय रोलबर्ट जोएकिन को 2 अप्रैल को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में एक महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह शहर मियामी से लगभग 160 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी हैती से है और 2022 में अमेरिका आया था। मृतका की पहचान 51 वर्षीय निलुफा इस्मिन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश मूल की थीं और दो बेटियों की मां थीं। ट्रंप ने गुरुवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह वीडियो साझा किया। ट्रंप अक्सर दावा करते रहे हैं कि प्रवासी अमेरिका में अपराध बढ़ा रहे हैं, और इस घटना को उन्होंने अपने इसी दावे के समर्थन में पेश किया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप सभी प्रवासियों को अपराधी के रूप में पेश कर अपनी आव्रजन नीति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, जबकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में हिंसक या अन्य अपराधों में कम शामिल होते हैं। पुलिस के अनुसार, निलुफा ईसमिन गैस स्टेशन के एक सुविधा स्टोर में क्लर्क के रूप में काम कर रही थीं। घटना स्टोर के बाहर हुई और आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि आरोपी एक वाहन पर हथौड़े से वार करता दिखता है। इसी दौरान पीड़िता बाहर आकर उससे सवाल करती नजर आती हैं। इसके बाद आरोपी अचानक उनके सिर पर हथौड़े से हमला कर देता है, जिससे वे जमीन पर गिर जाती हैं। इसके बाद आरोपी कई बार हमला करता है और मौके से फरार हो जाता है। पुलिस के अनुसार, बाद में आरोपी को सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया और उसने अपराध कबूल कर लिया।

अमेरिका का दावा- होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल, अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान की इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में उठ सकता है मुद्दा : न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है।

दरअसल, अमेरिका ने मांग की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को आवागमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए। यह मुद्दा ईरानी वार्ताकारों और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता के लिए भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

बारूदी सुरंगों से बनाया दबाव, अब वही बनीं सिरदर्द : अमेरिका-इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल कर होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगों का जाल बिछाया था। इन बारूदी सुरंगों के साथ-साथ ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के खतरे ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों और अन्य जहाजों की संख्या को काफी कम कर दिया था।

इसकी वजह से ऊर्जा की कीमतें बढ़ गईं और ईरान को युद्ध में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक बड़ा मौका मिला। हालांकि, ईरान ने होर्मुज में एक रास्ता खुला छोड़ दिया था, जिससे शुल्क का भुगतान करने वाले जहाजों को गुजरने की अनुमति मिल गई थी।

आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी : ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने हर बारूदी सुरंग की सटीक स्थिति दर्ज की थी या नहीं। यहां तक कि जब स्थानों को दर्ज भी किया गया था, तो कुछ बारूदी सुरंगों को इस तरह से रखा गया था कि वे बह सकती थीं या हिल सकती थीं।

कानूनी पचड़े में फंसे प्रिंस हैरी

लंदन, एजेंसी। प्रिंस हैरी ने अपनी दिवंगत मां राजकुमारी डायना की याद में अफ्रीका में एक चैरिटी की स्थापना की थी। अब उसी चैरिटी ने प्रिंस हैरी पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हैरी ने पिछले साल इस संस्था के संरक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था। सेंटेबाले नामक यह संस्था बोत्सवाना और लेसोथो में एचआईवी से पीड़ित युवाओं के लिए काम करती है। सेंटेबाले ने पिछले महीने लंदन के हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया। अब यह जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन दस्तावेजों के अनुसार, हैरी और उनके मित्र मार्क डायर (जो पहले इस चैरिटी के ट्रस्टी रह चुके हैं) पर मानहानि का आरोप लगाया गया है, हालांकि मामले से जुड़े विस्तृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। चैरिटी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, '25

मार्च 2025 से चलाए जा रहे एक समन्वित नकारात्मक मीडिया अभियान के कारण संस्था के कामकाज और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर चैरिटी अदालत से हस्तक्षेप, संरक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग कर रही है।' वहीं, हैरी और डायर के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और अपमानजनक बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले तीन वर्षों में प्रिंस हैरी कई कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। ब्रिटेन के प्रमुख टैबलाइड्स के खिलाफ निजता के उल्लंघन और फोन हैकिंग जैसे आरोपों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। करीब 20 वर्ष पहले स्थापित सेंटेबाले का अर्थ लेसोथो की भाषा में 'फॉरगेट मी नॉट' होता है। इस संस्था की सह-स्थापना हैरी ने प्रिंस सीइसो के साथ मिलकर की थी, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर प्रिंसेस डायना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साल 2023 में संस्था में फंडरेजिंग रणनीति को लेकर मतभेद सामने आए। इसके बाद मार्च 2025 में दोनों संस्थापकों ने कुछ ट्रस्टियों के इस्तीफे के समर्थन में संरक्षक पद छोड़ दिया। बोर्ड की अध्यक्ष चंदौका ने हैरी पर उन्हें पद से हटाने के लिए धमकाने और उत्पीड़न का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण; 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च

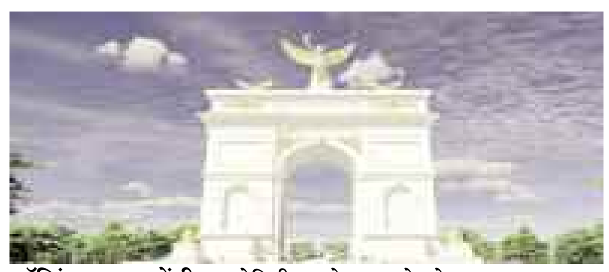

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं।

कैसा होगा प्रस्तावित आर्च : इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वॉशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक सभी अमेरिकी उठा सकेंगे। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बड़े बदलाव : यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंगन में बदल दिया है। यह मेहराब व्हाइट हाउस के दायरे से भी आगे बढ़कर, ट्रंप को एक ऐसे शहर में अपनी एक स्थायी विरासत छोड़ने का अवसर देगा जो पहले से ही स्मारकों के लिए जाना जाता है।

ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वर्चुअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी। एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है। इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का

युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगें और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, दोनों देशों में सिर्फ एक ही बात समान है कि युद्ध से बाहर निकलने की जरूरत। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्तावों को 'धोखा' करार दिया है और आरोप लगाया है कि ईरान टैंकरों की आवाजाही में बाधा डाल रहा है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी शर्तें साफ कर दी हैं। मोहम्मद बाक़िर गालिबफ ने कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले 'ब्लॉक किए गए संपत्तियों' की रिहाई जैसे मुद्दों का समाधान जरूरी है।

एक नजर

सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के लिए बढ़ा रुझान

चमोली। विकासखंड के सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्र–छात्राओं एवं अभिभावक उत्साह दिखा रहे हैं। बीते दस दिनों में सरकारी स्कूलों में करीब 625 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया है। ऐसे में शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिक्षक भी उत्साहित हैं। खंड शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र ढौंडियाल ने बताया कि अब विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल है। विकासखंड के कई बच्चे जवाहर नवोदय और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए हैं। ऐसे में इस बार सरकारी स्कूलों में प्रवेश की संख्या बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि अब तक कक्षा छह में 251, कक्षा 9 में 168, माध्यमिक स्कूलों की अन्य कक्षाओं में 13 छात्र–छात्राओं, कक्षा 3 में 8 छात्र छात्राओं ने अन्य विद्यालयों से प्रवेश किया है। कक्षा 4 में 6 छात्र–छात्राओं, कक्षा 5 में 5 छात्र छात्राओं ने अन्य विद्यालयों से स्थानांतरण हो कर प्रवेश किया है। वहीं बाल वाटिका 10 नौनिहालों ने नामांकन किया है।

चंद्रशिला ट्रैक पर फंसे 30 ट्रैकर्स को निकाला

रुद्रप्रयाग। बीते शनिवार को तुंगनाथ चंद्रशिला ट्रैक पर आए तूफान के कारण कुछ पर्यटक फंस गए थे। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर रात में ही फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकाला और गंतव्य तक पहुंचाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को करीब 30 ट्रैकर्स चंद्रशिला मार्ग पर थे कि अचानक तूफान आ गया और बर्फबारी होने लगी। ऐसे में सभी वहीं ट्रैकर्स वहीं फंस गए थे। सूचना पर संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया। कोतवाली उखीमठ के प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि चौकी चोपता, एसडीआरएफ, जिला आपदा प्रबंधन और वन विभाग की टीमों ने दुर्गम रास्तों और खराब मौसम में भी अभियान जारी रखा। दल ने ट्रैकर्स की लोकेशन ट्रैक की और उन तक पहुंच गए। इसके बाद सभी को सुरक्षित रेस्क्यू कर चोपता लाया गया। बाद में उन्हें गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

गदेरे में डाल रहे निर्माण कार्य का मलबा

चमोली। सिमली– डिम्मर–कर्णप्रयाग मोटरमार्ग पर नवनिर्मित मोटर पुल के निर्माण कार्य का मलबा गदेरे में डंप किया जा रहा है। इससे पौराणिक टटेश्वर महादेव और विद्यापीठ आवासीय बस्ती को खतरा होने की आशंका है। बीएन डिमरी, पुनीत डिमरी, रविंद्र खंडूड़ी, जयदीप गैरोला आदि ने बताया कि पीएमजीएसवाई कर्णप्रयाग की ओर से टटासू गदेरे के ऊपर नवनिर्मित मोटर पुल का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जेसीबी से पहाड़ की कटिंग कर विस्तारीकरण का कार्य किया जा रहा है। मगर कार्यदायी संस्था की ओर से मलबे को गदेरे में डाला जा रहा है जो बरसात में कहर बरपा सकता है। वहीं पीएमजीएसवाई के ईई सचिन कुमार ने बताया कि मामले का संज्ञान लिया जाएगा। संबंधित ठेकेदार को पुल के निर्माण कार्य का मलबा डंपिंग यार्ड में डालने के निर्देश दिए जाएंगे।

थारू कैंप के पास पैदल मार्ग हुआ सुचारु

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर थारू कैंप के पास ग्लेशियर टूटने से बाधित हुआ मार्ग रविवार से सुचारु कर दिया गया है। बर्फ हटाने के बाद यहां से घोड़े–खच्चरों की आवाजाही भी शुरू हो गई है जिससे यात्रा तैयारियों में लगी टीमों और स्थानीय संचालकों को राहत मिली है। डीडीएमए के अधिशासी अभियंता राजविंद ने बताया कि करीब 80 श्रमिकों की टीम लगातार कार्य करते हुए मार्ग से बर्फ हटा रही है। अब आवागमन सामान्य हो गया है। शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे थारू कैंप के पास ग्लेशियर टूटने से बड़ी लिनचोली के पास पैदल मार्ग का एक हिस्सा अवरुद्ध हो गया था। अब मार्ग खुलने से यात्रा व्यवस्थाएं फिर पटरी पर लौटने लगी हैं।

बैसाखी पर घोषित होगी मद्महेश्वर और तुंगनाथ के कपाट खुलने की तिथि

रुद्रप्रयाग, द्वितीय केदार मद्महेश्वर और तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट खुलने की तिथि आगामी 14 अप्रैल को बैसाखी पर्व पर घोषित की जाएगी। इस दौरान गूंठ गांव के लोग, तीर्थ पुरोहित और मंदिर समिति के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। तुंगनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि की घोषणा शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ में की जाएगी। वहीं मद्महेश्वर के कपाट खुलने की तिथि ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में घोषित होगी। बीकेटीसी के मुख्यकार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि घोषित होने के साथ ही मंदिरों में तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

धान्यू के जंगलों में लगी आग

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि क्षेत्र के धान्यू के जंगलों में रविवार को अचानक आग लगने से वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। वन क्षेत्राधिकारी एचएस रावत ने बताया कि किसी शरारती तत्व की ओर से जंगल में ज्वलनशील वस्तु फेंकने के कारण आग लगने की आशंका है। समय रहते टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझा दी जिससे जंगल का अन्य हिस्सा जलने से बच गया।

पीआरडी जवानों ने की अप्रशिक्षित व्यक्तियों की तैनाती पर रोक की मांग

उत्तरकाशी। पीआरडी जवानों ने युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग में अप्रशिक्षित व्यक्तियों की ड्यूटी लगाए जाने के विरोध किया। उन्होंने इस संबंध में तहसील प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है। पीआरडी संगठन के जिला अध्यक्ष किशन सिंह रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जवान तहसील मुख्यालय पहुंचे। चारधाम यात्रा सहित विभिन्न विभागों में ड्यूटी लगाने के दौरान क्षेत्रीय स्तर पर दबाव बनाकर अप्रशिक्षित व्यक्तियों को पीआरडी के माध्यम से तैनात करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे प्रशिक्षित जवानों के अधिकारों का हनन हो रहा है। कहा कि यह प्रक्रिया वर्ष 2021 में माननीय उच्च न्यायालय नैनीताल की ओर से दिए गए आदेशों का सीधा उल्लंघन है जिसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि पीआरडी के माध्यम से केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों को ही नियुक्त किया जाए।

जनगणना के लिए दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू

चम्पावत। जिले में जनगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जनगणना के लिए प्रगणकों और सुपरवाईजरों के दूसरे चरण के प्रशिक्षण की शुरूआत की गई। तीन दिनी प्रशिक्षण में डिजीटल आधारित जनगणना की जानकारी दी जाएगी। चम्पावत तहसील में उपखंड जनगणना अधिकारी एसडीएम अनुराग आर्य के दिशा निर्देशन में दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू हुआ। एसडीएम ने बताया कि जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होगी। जनगणना के पहले चरण में पूछे जाने वाले 33 सवालों की सूची सरकार ने जारी कर दी है। तहसीलदार बृजमोहन आर्य ने बताया कि प्रगणक घर–घर जाकर विभिन्न बिंदुओं पर ऑनलाइन जनगणना करेंगे। अतिरिक्त चार्ज अधिकारी पवन जुकरिया, भुवन मेहता, प्रकाश कुंवर आदि उपस्थित रहे।

नई टिहरी बाजार और माल रोड एक साल में नए लुक में आएगा नजर

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी का माल रोड और बाजार एक साल के भीतर नए लुक में नजर आएगा। पर्यटन और व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए नई टिहरी बाजार के सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए 10 करोड़ की स्वीकृति मिल गई है। उक्त धनराशि से माल रोड और पूरे बाजार में सौंदर्यीकरण कार्य किए जाने हैं। नई टिहरी शहर को मास्टर प्लान के तहत बसाया गया था लेकिन वर्षों बाद भी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ठोस व्यवस्थाओं का अभाव बना हुआ है। हर दिन बड़ी संख्या में पर्यटक टिहरी झील में बोटिंग करने के लिए पहुंचते हैं लेकिन शहर के बाजार और माल रोड तक उनकी पहुंच सीमित रहती है। ऐसे में बाजार का नए सिरे से सौंदर्यीकरण कार्य टिहरी झील और शहर के बीच पर्यटकों की चहल कदमी बढ़ाने में मजबूत कड़ी का काम करेगी।

जिला विकास प्राधिकरण की ओर से स्वीकृत 10 करोड़ की धनराशि से नई टिहरी के माल रोड और बाजार क्षेत्र को सुनियोजित ढंग से विकसित करने की योजना है। योजना के तहत माल रोड पर फसाड़ कार्य कर दुकानों के फ्रंट को एक समान डिजाइन में तैयार किया जाना है। बाजार की करीब 105 दुकानों के साइन बोर्ड भी एक जैसे बनाए जाएंगे जिससे पूरे क्षेत्र में एकरूपता और व्यवस्थित लुक दिखाई

देगा। इसके अलावा बाजार में रेलिंग का निर्माण, सड़क पर इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने और दुकानों के बाहर स्टोन टाइल्स लगाना भी प्रस्तावित है। रात के समय बाजार में पथ प्रकाश (स्ट्रीट लाइटिंग) की व्यवस्था की जानी है। निर्माण कार्यों के लिए उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम चंबा को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। योजना के तहत कार्यदायी संस्था को सभी कार्यों को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। नई टिहरी बाजार के सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मई माह में टेंडर फाइनल होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। सभी कार्य एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाना है।

वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में परिषदीय कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में परिषदीय कार्यक्रम को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोस्टर, तात्कालिक भाषण तथा रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर हरिश्चंद्र सर के आशीर्वाद उद्बोधन के द्वारा हुआ उन्होंने छात्र छात्राओं को लक्ष्य निर्धारण करके कठिन परिश्रम द्वारा लक्ष्य प्राप्ति का विचार दिया। वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो विमल कुकरेती जी ने विषय के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान को जानकर प्रयोग करने के लिए कहा। डॉ. गीता रावत शाह ने छात्र छात्राओं की प्रशंसा की तथा उन्हें सभी कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने का विचार दिया। डॉ कविता अहलावत ने वाणिज्य संकाय में संपन्न सभी कार्यक्रमों की सराहना की तथा वाणिज्य के बढ़ते क्षेत्र पर अपने विचार केंद्रित किए। डॉ. दीप्ति मैठाणी ने गजल गाकर सभी को मोहित कर दिया। वाणिज्य संकाय के विभाग प्रभारी डॉ दिवाकर बौढ़ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्र छात्राओं को वाणिज्य में अच्छा कैरियर बनाने के लिए सुझाव भी दिए कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग शर्मा तथा हिमांशु नौटियाल के द्वारा किया गया। वाणिज्य संकाय के परिषदीय कार्यक्रम में सर्वप्रथम पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने वाणिज्य विषय के विभिन्न आयामों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया पोस्टर प्रतियोगिता में गरिमा बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, दिव्यांशु बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान तथा सलोनी बीकॉम षष्ठम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में चार–चार छात्राओं का ग्रुप बनाया गया था जिसमें ग्रुप 2 करिश्मा, प्रीति, रिया तथा रिषिकाने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रुप 7. उर्वशी तथा रिमा द्वितीय स्थान पर रहे। ग्रुप 3 दिव्यांशु, प्रेरणा, शिवानी तथा अनीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आशु भाषण की प्रतियोगिता में दिव्यांशु डबराल ने प्रथम स्थान, हिमांशु नौटियाल ने द्वितीय स्थान तथा सलोनी एवं शिखर गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. विमल कुकरेती, डॉ. गीता रावत, डॉ. कविता अहलावत, डॉ. दीपाली रतूड़ी, डॉ, अंजू थपलियाल, डॉ दीप्ति मैठाणी, डॉ आकांक्षा, श्री भारत सिंह बिष्ट, श्री बलवंत सिंह नेगी जी रहे। वाणिज्य संकाय के परिषदीय कार्यक्रम में डॉ किशोर, सुमन नेगी अजय रावत रविंद्र गोसाई जितेंद्र, हिमांशु, शिखर, नेहा, सलोनी, अंजलि, स्वाति, शुभम, शिवम, प्रेरणा, प्रियांशु, शिवानी, रिया,रिषिका, करिश्मा, तुषार, निकिता, दिया, प्रियांशु, उर्वशी, अनीशा तथा सभी छात्र उपस्थित रहे।

नंदप्रयाग में रात नौ से सुबह पांच बजे तक बंद रहेगी आवाजाही

चमोली। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदप्रयाग के पर्थाडीप भूस्खलन क्षेत्र में रविवार से सुधारीकरण कार्य शुरू किया गया है। इस कार्य से यातायात बाधित न हो इसलिए काम रात के समय किया जाएगा। इसके लिए यहां रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। रात के समय वाहन नंदप्रयाग–सैकोट–कोठियालसैंण बाईपास से रवाना होंगे। नंदप्रयाग के पास पर्थाडीप में बदरीनाथ हाईवे पर दो साल से भूस्खलन हो रहा है। इससे यहां वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें आती हैं। चारधाम यात्रा को देखते हुए एनएचआईडीसीएल की ओर से हाईवे के करीब 60 मीटर हिस्से पर सुधारीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। सुधारीकरण कार्य से हाईवे पर यातायात प्रभावित न हो इसलिए रात्रि के समय काम करने का निर्णय लिया गया है। पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर रात नौ बजे से सुबह पांच

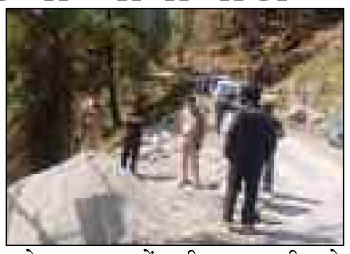

बजे तक वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया है। इस दौरान वाहन नंदप्रयाग से सैकोट होते हुए कोठियालसैंण होते हुए आवाजाही करेंगे। रविवार को पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट और यातायात निरीक्षक दिगंबर उनियाल ने वैकल्पिक मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से संवाद किया। उन्होंने लोगों से सड़क किनारे वाहनों को अव्यवस्थित ढंग से खड़ा न करने और वाहनों को चिह्नित व सुरक्षित स्थानों पर ही खड़ा करने के निर्देश दिए।

कार ने नौ दोपहिया वाहनों को मारी टक्कर, शिकायत दर्ज

चमोली। पांडुकेश्वर के पास बदरीनाथ हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। इसमें करीब नौ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों ने इसकी थाने में शिकायत दर्ज कराई। शनिवार रात को पांडुकेश्वर के पास लोग सड़क किनारे वाहन खड़े करके घर चले गए थे।

अचानक एक कार तेज रफ्तार से दौड़ती हुई आई और सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। वाहनों को भारी क्षति पहुंची है। टक्कर की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और कार चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद लोगों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। गोविंदघाट थाना प्रभारी चित्रगुप्त ने बताया कि लक्सर हरिद्वार कार चालक अमित गुप्ता ने कहा कि क्षतिग्रस्त वाहनों को ठीक करने में जो भी खर्चा आएगा उसे वह वहन करेगा। इसके बाद ग्रामीणों और कार चालक के बीच आपसी सहमति बन गई।

पुलिस की निगरानी में बंटे सिलिंडर

नई टिहरी। रसोई गैस की कमी के चलते शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक के लोग परेशान हैं। रसोई गैस लेने के लिए लोगों को घंटों तक लाइन लगना पड़ रहा है। भीड़ इतनी बढ़ गई कि पुलिस की निगरानी में सिलिंडरों का वितरण करना पड़ा। जिला मुख्यालय नई टिहरी में रविवार को केंद्रीय विद्यालय के जूनियर सेक्शन की सड़क पर इंडियन रसोई गैस का ट्रक सिलिंडर वितरण के लिए पहुंचा। जैसे ही लोगों को रसोई गैस के ट्रक आने की भनक लगी लोग खाली सिलिंडर को लेकर ट्रक की ओर दौड़ पड़े। देखते–देखते रसोई गैस लेने वालों की लंबी कतार लग गई। सिलिंडर लेने के इंतजार में लोगों को घंटों तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। लोगों की भीड़ को देखते हुए एजेंसी कर्मियों को पुलिस की निगरानी में रसोई गैस वितरण करवाना पड़ा। इसके बावजूद लाइन

में खड़े कई लोगों को रसोई गैस सिलिंडर नहीं मिल पाए, जिसके बाद लोगों को खाली सिलिंडर लेकर लौटना पड़ा। उधर प्रशासन की ओर से जिले में रसोई गैस वितरण की स्थिति को सामान्य बताया जा रहा है। प्रशासन की ओर से लोगों से डिलीवरी प्वाइंट पर रसोई गैस लेने की बार–बार अपील की जा रही है लेकिन शहर में जहां भी रसोई गैस का वाहन दिखता है लोग वहीं पहुंच जाते हैं। प्रशासन दावों के बावजूद रसोई गैस की किल्लत दूर नहीं हो पा रही है। इस बाबत इंडियन गैस सर्विस नई टिहरी के प्रबंधक राजपाल सिंह सजवाण का कहना कि रविवार को तीन बाद जिला मुख्यालय में 270 रसोई गैस सिलिंडर लेकर ट्रक आया था जिसमें से कुछ सिलिंडर सुरसिंगधार व कुछ भागीरथीपुरम के बागी क्षेत्र में भेजे गए थे।

पर्वतारोहियों के लिए एक सप्ताह में खुल जाएगा गोमुख ट्रैक

उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क के अधिकारियों और गढ़वाल हिमालय ट्रैकिंग एंड माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गोमुख ट्रैक का स्थलीय निरीक्षण किया। करीब 11 किमी के पैदल ट्रैक पर भोजगढ़ी नाले में अधिक बर्फ होने के कारण टीम को लौटना पड़ा। पार्क के अधिकारियों का कहना है कि अगर इस सप्ताह ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी नहीं होती है तो पर्वतारोहियों के लिए ट्रैक खोल दिया जाएगा। लेकिन आम यात्रियों के लिए अभी गोमुख जाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा। गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट एक अप्रैल को खोल दिए गए हैं लेकिन गोमुख ट्रैक पर अधिक बर्फबारी और क्षतिग्रस्त मार्ग के कारण 13 दिन बाद भी उस पर ट्रैकर्स और यात्रियों के लिए आवाजाही प्रतिबंधित किया गया है। बीते शनिवार को पार्क के उपनिदेशक हरीश नेगी सहित गढ़वाल हिमालय ट्रैकिंग एंड माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र राणा के नेतृत्व में वन विभाग और ट्रैकिंग से जुड़े लोगों ने गोमुख ट्रैक का स्थलीय निरीक्षण किया। दल ने कनखू बैरियर से लेकर भोजगढ़ी तक 11 किमी का ट्रैक का निरीक्षण किया लेकिन भोजगढ़ी नाले में अधिक बर्फ होने और बर्फबारी शुरू होने के कारण उन्हें लौटना पड़ा। जयेंद्र राणा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि पर्वतारोहण से जुड़े लोगों के लिए मार्ग में कोई समस्या नहीं है। इसलिए पर्वतारोहियों को ट्रैकिंग और आरोहण के लिए जाने की अनुमति दी जाए। उपनिदेशक हरीश नेगी ने कहा कि अगर गोमुख क्षेत्र में इस सप्ताह बर्फबारी नहीं होती है तो एक सप्ताह बाद पर्वतारोहियों के लिए ट्रैक खोल दिया जाएगा। हालांकि अभी गोमुख तक जाने वाले यात्रियों को इंतजार करना पड़ेगा।

साधना जोशी बनी भारत ज्ञान विज्ञान समिति की अध्यक्ष

उत्तरकाशी। भारत ज्ञान विज्ञान समिति की ओर से जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता पमिता पैन्यूली ने समता पत्रिका हमारा कांरवा का विमोचन किया गया। पत्रिका में जनपद की महिला शक्ति की प्रेरणा खंड शिक्षा अधिकारी हर्षा रावत के जीवन की संघर्ष का वर्णन किया गया। वहीं समिति ने नई कार्यकारिणी का गठन किया इसमें साधना जोशी को अध्यक्ष बनाया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्य समन्वयक मंडल के सदस्य सुमन रावत ने भारत ज्ञान विज्ञान समिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, साधना जोशी ने समता का परिचय दिया। इस दौरान भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए साधना जोशी अध्यक्ष, गरिमा राणा सचिव, पमीता पैन्यूली कानूनी सलाहकार के तौर पर चुनी गई।

भटवाड़ी चढ़ेती में सड़क का चौड़ीकरण पूरा करें : एडीएम

उत्तरकाशी। जिला प्रशासन चारधाम यात्रा की अंतिम तैयारियों में जुटा हुआ है। रविवार को एडीएम मुक्ता मिश्र ने वर्चुअल अधिकारियों की बैठक लेकर विभागवार तैयारी की समीक्षा की। एडीएम ने गंगोत्री में ट्रांसफर लगाने का कार्य, विद्युत पोल को ठीक करने और पेड़ों की लॉपिंग का कार्य 15 अप्रैल तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं बीआरओ को क्षतिग्रस्त सड़क भटवाड़ी चढ़ेती में सड़क का चौड़ीकरण सोमवार तक पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि लिमच्यागाड़ में सड़क चौड़ीकरण यात्रा से पहले पूरा करें। साथ ही डबरानी और काली पहाड़ी के पास सड़क समतलीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वैकल्पिक मार्ग मंडी–स्यासु पुल को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। बैठक में ईई जल संस्थान ने बताया कि चारधाम यात्रा मार्ग पर 12 वाटर एटीएम, 86 हैंडपंप व गंगोत्री धाम में पानी की आपूर्ति चालू कर दी गई है। एडीएम ने जीपीएस लोकेशन के साथ सूची उपलब्ध कराने व क्लोरीनेशन के कार्य भी कराने के निर्देश दिए। वहीं सुलभ शौचालय 118 सीट अस्थायी व 282 सीट स्थायी शौचालय है जो 32 स्थानों पर है। हर लोकेशन में पर्यावरण मित्र तैनात किए गए हैं। कुल 62 पर्यावरण मित्र तैनात किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 17 अप्रैल तक चैक पोस्ट पर स्वास्थ्य टीमें तैनात कर दी जाएंगी। डॉक्टरों की तैनाती के लिए रोस्टर जारी कर दिया गया। यात्रा के लिए एंबुलेंस की तैनाती कर दी गई है। बैठक में सीएमओ डॉ. बीएस रावत, एसडीएम देवानंद शर्मा, शालिनी नेगी, कमांडर बीआरओ राज किशोर, ईई मनोज गुसाई, सचिन सिंघल, एलसी रमोला, एआरटीओ रत्नाकर सिंह, डिटीडीओ केके जोशी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं आदि वर्चुअली जुड़े।

भटवाड़ी में केवि की काम दशक बाद भी फाइलों में कैद

उत्तरकाशी। सीमांत विकासखंड भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग पिछले एक दशक से लगातार उठ रही है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है।

स्थानीय लोगों ने इस पर नाराजगी व्यक्त की है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों का कहना है कि वर्ष 2014–15 से इस संबंध में शासन–प्रशासन के स्तर पर लगातार पत्राचार और प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं बावजूद इसके मामला फाइलों तक ही सीमित बना हुआ है। केंद्रीय विद्यालय की मांग को लेकर लंबे समय से संघर्षरत सामाजिक कार्यकर्ता व स्थानीय निवासी केशव नौटियाल का कहना है कि भटवाड़ी जैसे सुदूर और चीन सीमा से सटे क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा के अभाव के कारण अभिभावकों को अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर भेजना पड़ रहा है। इससे क्षेत्र में पलायन की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। राजेश रतूड़ी, अनिल रतूड़ी का कहना है कि यहां लगभग 44 ग्राम सभाएं आती हैं और बड़ी संख्या में सेना व अर्द्धसैनिक बलों के परिवार भी निवास करते हैं। केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से विद्यालय संचालन के लिए अस्थायी व्यवस्था के लिए भवन मरम्मत, कक्षों के रंग–रोगन और जर्जर आवासीय भवनों के ध्वस्तीकरण के लिए करीब 1.48 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भी पूर्व में भेजा जा चुका है लेकिन धनराशि स्वीकृत नहीं हो सकी। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्रियों, प्रधानमंत्री कार्यालय और राज्य सरकार तक गुहार लगाई है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही केंद्रीय विद्यालय की स्थापना नहीं की गई तो पलायन और बढ़ेगा और सीमांत क्षेत्र का सामाजिक व आर्थिक विकास प्रभावित होगा।

रसोई गैस सिलिंडर नहीं पहुंचने से यात्रा रूट के व्यापारी चिंतित

उत्तरकाशी। यमुनोत्री यात्रा रूट पर खरादी से जानकीचट्टी क्षेत्र तक रसोई गैस की आपूर्ति ठप होने के कारण यात्रा को लेकर व्यवसायियों में संशय की स्थिति बनी है। होटल व्यवसायियों का कहना है कि इस वर्ष बहुत ही कम संख्या में बुकिंग आई है लेकिन अगर यात्री आते भी हैं तो उनके भोजन व्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती है। यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर बड़कोट से आगे जानकीचट्टी तक के प्रमुख पड़ाव राजतर, खरादी, कुथनौर, स्यानाचट्टी, राना चट्टी, हनुमानचट्टी और जानकीचट्टी में रसोई गैस की आपूर्ति ठप होने से उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। गैस न पहुंचने के कारण स्थानीय लोग लंबे समय से संकट झेल रहे हैं। यात्रा के लिए महज दिन ही शेष बचे हैं लेकिन गैस न मिलने के कारण यात्रा मार्ग पर अभी तक सभी होटल–ढाबे बंद पड़े हैं। खरसाली गांव निवासी जयेंद्र तोमर, खरादी व्यापार मंडल के अध्यक्ष रामराज चौहान का कहना है कि गैस की किल्लत से क्षेत्र में हर किसी को जूझना पड़ रहा है।

बड़कोट में गैस सिलिंडर के लिए रातभर लगी रही लाइन

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत लगातार बढ़ रही है। शनिवार को गैस मिलने की उम्मीद में बड़ी संख्या में उपभोक्ता रामलीला मैदान में लाइन लगाकर इंतजार करते रहे लेकिन आपूर्ति नहीं हो सकी। कई लोग पूरी रात कतार में खड़े रहे और रविवार सुबह तक भी लाइन लगी रही। गैस गाड़ी तो पहुंची लेकिन इसके बाद भी कई उपभोक्ता खाली हाथ लौटे। रविवार को बड़कोट में भारत गैस की एक गाड़ी पहुंची लेकिन भारी भीड़ के चलते अधिकांश उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल सकी। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल की मौजूदगी में गैस वितरण कराया गया। वहीं, इंडेन गैस की गाड़ी न पहुंचने से लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। बीते कई दिनों से इंडेन गैस की गाड़ी बड़कोट नहीं पहुंचने से उपभोक्ता परेशान हैं। गैस संकट का असर स्थानीय होटल और ढाबा संचालकों पर भी साफ दिख रहा है जिनका कामकाज लगभग ठप पड़ गया है। वहीं, आम लोगों के सामने रोजमर्रा के भोजन की समस्या खड़ी हो

गई है। व्यापार मंडल के जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह रावत, नगर महामंत्री सोहन गैरोला सहित नागरिकों ने प्रशासन से जल्द गैस आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अकेले यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव नगर पालिका बड़कोट में अभी तक आधा दर्जन होटल ढाबे सिलिंडर नहीं मिलने से बंद हो गए हैं जिससे कई परिवारों के समक्ष रोजी–रोटी का संकट गहरा गया है।

केदार मार्ग पर पालिका की इमारत हुई जर्जर, खतरे के साए में लोग

उत्तरकाशी। केदार मार्ग स्थित नगर पालिका गेस्ट हाउस की इमारत जर्जर हालत में पहुंच गई है और कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका है। वहां पर आसपास लगातार चल रहे प्राइवेट जनरेटर के कारण भवन की नींव कमजोर हो गई है जिससे इमारत का पिछला हिस्सा पूरी तरह धंस गया है। साथ ही सीवर लाइन भी लंबे समय से ध्वस्त पड़ी है जिससे गंदा पानी भवन की तलहटी पर एकत्रित होने से धंसाव तेजी से हो रहा है। केदार मार्ग में नगर पालिका के गेस्ट हाउस से सटे शौचालय के ऊपर काफी समय पहले से एक निजी संस्था का जनरेटर लगाया गया है। जनरेटर से होने वाले लगातार कंपन के कारण उसी हिस्से में भवन की नींव हिल रही है और इमारत नीचे की ओर आधी धंस चुकी है। स्थिति यह है कि हल्के भूकंप के झटकों के दौरान पूरी बिल्डिंग डोलने लगती है जिससे वहां रह रहे लोग दहशत में हैं। स्थानीय निवासी अभिषेक, जय

प्रकाश का कहना है कि यदि जल्द ही जनरेटर को वहां से नहीं हटाया गया तो इमारत कभी भी धराशाही हो सकती है और बड़ा नुकसान हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जनरेटर को वहां से तत्काल हटाया जाए और भवन की आवश्यक मरम्मत कराई जाए। साथ ही स्थानीय लोगों ने परिसर में क्षतिग्रस्त पड़ी सीवर लाइन को भी जल्द दुरुस्त करने की मांग उठाई है जिससे गेस्ट हाउस में रह रहे लोगों को राहत मिल सके।

मांडौं गांव के आपदा पीड़ितों का अब तक नहीं हुआ पुनर्वास

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के समीप स्थित मांडौं गांव के ग्रामीण वर्ष 2021 की आपदा के बाद आज भी दर–दर भटकने को मजबूर हैं। आपदा पीड़ितों ने पुनर्वास और सहायता की मांग को लेकर जिलाधिकारी को पत्र सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2021 में मांडौं नाले में आए भारी उफान के चलते गांव में बाढ़ आई थी जिसमें कई मकान, खेत और सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। आपदा में दो लोगों की जान भी चली गई थी। बावजूद इसके आज तक प्रभावित परिवारों का समुचित पुनर्वास नहीं हो पाया है। आपदा पीड़ित प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि घटना में कुल 14 परिवार प्रभावित हुए थे जिनमें से केवल दो परिवारों को ही अब तक अनुदान मिल सका है। जबकि 10 परिवार ऐसे हैं जिनके पुनर्वास के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उनका कहना है कि बरसात के दौरान मांडौं नाले में फिर से बाढ़ का खतरा बना रहता है जिससे ग्रामीण लगातार भय के साए में जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को जल्द आवास अनुदान प्रदान कर सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाए। आपदा पीड़ितों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दोहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

गिल और बटलर के अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

लखनऊ (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया।

गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है। प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मिचेल मार्श (चार गेंद में 11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा का स्वागत लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी गेंदबाज ने धीमी गेंद पर उन्हें चकमा देकर गिल के हाथों कैच करा दिया। मारक्रम ने इस ओवर का अंत चौके से किया, जिससे टीम ने 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से सिराज ने 11 गेंद की पारी में एक छक्का और एक चौका लगाने वाले पंत को आउट कर सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। मारक्रम ने अशोक की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर छठे ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया।

आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंगबो ।भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है ।आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा ।आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है ।इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रह ।।इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने है ।इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी ।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस) ।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है ।उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है ।साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं ।वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते ।साइमन ने कहा, 'मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है ।वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं ।वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं ।मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है ।' साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं ।उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है ।उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये ।साइमन ने कहा, 'सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है ।इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है ।'

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता: चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडे- 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडे: 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीज: 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर ।स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है ।पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं ।बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये ।इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये ।इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए ।अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं ।बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं ।वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं ।इसमें उनका औसत 45.50 है । बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था ।इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे ।इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं ।बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं ।इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है ।इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं ।वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं ।फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं ।वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं । इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं ।उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं ।

वैभव सूर्यवंशी:इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

-14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो ।श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है ।पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है ।ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे ।अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा । पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे । अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं ।

14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है ।हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है ।जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है ।पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं ।